सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 307, नई दिल्ली । मंगलवार, 14 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

03 *नई दिल्ली विधानसभा में भाजपा की धांधली जारी

06 सीबीएसई/आईसीएसई/ राज्य बोर्ड परीक्षा

08 विकास की इबादत लिखता जम्मू कश्मीर।

क्या सीएमवीआर और मोटर वाहन नियम से ऊपर है परिवहन आयुक्त की हठ और आदेश

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली में परिवहन आयुक्त के राजस्व इजाफा और अपनी प्रिय कंपनियों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से सीएमवीआर और मोटर वाहन नियम से बाहर जाकर किए आदेशों से दिल्ली में पंजीकृत व्यवसायिक वाहन मालिकों के हाथ पैर फूले पड़े हैं और बिना किसी गलती के जुर्माने भरने के बावजूद वाहन नहीं चला पा रहे हैं। दिल्ली सरकार, मुख्य सचिव और उपराज्यपाल दिल्ली भी आंख कान और मुंह बंद करके सब देख रहे हैं। भाजपा, आम आदमी पार्टी एवम् अन्य राजनेता भी अलग अलग बहानेबाजी करते नजर आ रहे हैं पर किसी ने भी परिवहन आयुक्त के खिलाफ ना तो कोई कार्यवाही करी और ना ही करने के लिए आवाज उठाई।

व्यवसायिक श्रेणी में पंजीकृत वाहन को मोटर वाहन नियम के अनुसार सड़क पर वाहन चलाने के समय वाहन का मान्य जांच प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और अगर वाहन का मान्य जांच प्रमाण पत्र नहीं है तो अन्य मान्य दस्तावेज भी अमान्य माने जाते हैं।

दिल्ली परिवहन आयुक्त ने एक कंपनी को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के एक आदेश का दिखावा करते हुए पूर्ण क्षमता ना होते हुए भी बुराड़ी वाहन जांच शाखा से वाहनों को जांच प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए झूलझूली वाहन जांच शाखा में परिवर्तन के आदेश जारी कर दिए जिससे वाहन मालिकों को वाहन जांच प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए तारीख

TRANSPORT DEPARTMENT, GNCT OF DELHI
State Transport Department
RAJPUR ROAD/VIU BURARI
FORM 38
[See Rule 62(1)]
CERTIFICATE OF FITNESS
(Applicable in the case of transport vehicles only)

Vehicle No: DL1LP4985(Goods Carrier) is certified as complying with the provisions of the Motor vehicles Act, 1988 and the rules made there under.

Registration No	: DL1LP4985		
Application No	: DL231109X4640449		
Inspection Fee	: DL231110X4643511		
Receipt No			
Receipt Date	: 10-Nov-2023		
Chassis No	: MA1ZN2EPKB1C21348		
Engine No	: EPB1C60363		
Seating Capacity	: 2 (Including Driver)		
Type of Body	: REFIRIGERATED VAN		
Manufacturing Year	: 2011		
Category of Vehicle	: LGV	Certificate will expire on	: 17-Nov-2024
Inspected on	: 18-Nov-2023	Next Inspection Due Date	: 19-Sep-2024
Printed on	:		

Signature of Inspecting Authority
RAJPUR ROAD/VIU BURARI

उपलब्ध नही हो पा रही। परिवहन आयुक्त के आदेश के कारण वाहन जांच प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए तारीख उपलब्ध नही होने पर वाहन मालिकों से बिना उनकी गलती के होते हुए उनसे दुबारा पंजीकरण के नाम से मोटर वाहन अधिनियम में दर्शाए गए जुर्माने के साथ 50 रुपए प्रतिदिन के जांच प्रमाण पत्र देरी के नाम से जुर्माना वसूल कर रहा है। इसके अलावा मान्य वाहन

Post

news parivahan
@newsparivahan

@rashtrapatibhvn @PMOIndia @AmitShah @HMOIndia @MLJ_GoI @nitin_gadkari @MORTHIndia @LtGovDelhi @ashishkundra @PTI_News @ANI
दिल्ली परिवहन आयुक्त द्वारा एमवी एक्ट/अधिनियम के बाहर जाकर मालिकों को परेशान करने और जुर्माना वसूलने के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं?

facebook.com/share/p/1AJeBM...
Translate post

10:30 PM · Jan 13, 2025 · 7 Views

1 2

Post your reply
Reply

hira hira @hirahir244827 · 10m
TRANSPORT COMMISSIONER KE KHILAF CBI ENQUIRY HONI CHAHIYE,

3

जांच प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण वाहन मालिक वाहन भी सड़को पर नहीं चला पा रहे अर्थात **बिना गलती के वाहन भी नहीं चला पा कर कमाई से दूर और साथ में जुर्माना और साथ ही वाहन लोन को ना भर पाने का डर।**

आपकी जानकारी हेतु बता दे परिवहन विभाग को हर हाल में व्यवसायिक गतिविधि के वाहनो को उनकी वाहन जांच प्रमाण पत्र समाप्त होने की तारीख से 60 दिन पहले वाहन प्रमाण पत्र प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध करवाना आवश्यक है इसकी जानकारी हेतु आप किसी भी व्यवसायिक वाहन के जांच प्रमाण पत्र को देख कर समझ सकते है। आपकी जानकारी हेतु हम एक वाहन के जांच प्रमाण पत्र इसी लेख के साथ सलग्न कर रहे हैं जिसमें आप देखेंगे की वाहन जांच पत्र की समाप्ति की तारीख के नीचे दूसरी लाइन में स्पष्ट किया गया है की वाहन मालिक 60 दिन पहले दुबारा जांच प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकता है पर परिवहन आयुक्त ने व्यवसायिक वाहन मालिकों को लुट कर राजस्व में इजाफा करवाने के उद्देश्य से वाहन जांच प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन करने की इजाजत ही मात्र 25 दिन पहले की रखवाई है और वाहन जांच प्रमाण पत्र करने की क्षमता वाहनों की जरूरत से बहुत कम होने के कारण तारीख की उपलब्धता नहीं हो सकती।

अब आप समझ सकते है की किस तरीके से परिवहन आयुक्त दिल्ली के व्यवसायिक वाहन मालिकों को बर्बाद कर राजस्व में इजाफा करवा रहे है और फाइनेंस कंपनियों को वाहनों को कब्जे में लेने का रास्ता दे रहे हैं और साथ ही झूलझूली वाहन जांच शाखा में परिवहन आयुक्त की मेहरबानी से एक्सटेंशन प्राप्त कर कार्य करने वाली कम्पनी को मुनाफा कमवा रहे हैं।

यह सब जानकारी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, मंत्री परिवहन भारत सरकार, उपराज्यपाल दिल्ली, मुख्य सचिव दिल्ली, मुख्यमंत्री दिल्ली, परिवहन मंत्री दिल्ली और स्वयं परिवहन आयुक्त को है और सब कुछ जानते हुए सोची समझी साजिश के अनुसार दिल्ली में पंजीकृत व्यवसायिक वाहन मालिकों को परेशानी में डाल रहे है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

यात्रीगण कृपया ध्यान दीजिये... पुराने बस अड्डे पर हादसे का खतरा, नहीं लगा है कोई नोटिस

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के पुराने बस अड्डे पर चल रहे निर्माण कार्य के बीच बसों का संचालन यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। नियमों के अनुसार निर्माण कार्य शुरू होने पर बसों का संचालन साहिबाबाद डिपो से किया जाना था लेकिन राजस्व की चिंता के कारण ऐसा नहीं किया गया। निर्माण कार्य के बीच यात्री पहुंच रहे हैं और सुरक्षा के लिए दिशा निर्देश भी जारी नहीं किए गए।

गाजियाबाद। पुराने रोडवेज बस अड्डे पर चल रहे निर्माण कार्य के बीच बसों का संचालन हो रहा है। लापरवाही की हद तो ये है कि यहां यात्रियों की सुरक्षा के लिए कोई नोटिस भी नहीं लगाया गया है। ऐसे में यात्रियों को हादसे का खतरा है। नियम के तहत निर्माण कार्य शुरू होने पर बसों का संचालन साहिबाबाद डिपो से किया जाना था।

गाजियाबाद बस अड्डे का निर्माण मार्च 2026 तक पूरा किया जाना है। यहां सभी सुविधाएं हवाई अड्डे की तर्ज पर मिलेंगी। बस अड्डा पूरी तरह से अत्याधुनिक होगा। इसके लिए कंपनी ने निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। पिलर व स्ट्रक्चर तैयार करने का कार्य किया जा रहा है।

मार्च 2025 तक पूरा होना था काम

गाजियाबाद बस अड्डे का निर्माण पीपीपी मोड (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के अंतर्गत किया जा रहा है। ओमेक्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बस अड्डे का निर्माण 61 करोड़ रुपये में कर रही है। शुरुआत में कंपनी को मार्च 2025 तक निर्माण कार्य पूरा करना था।

कंपनी भी बस अड्डे का निर्माण शुरू करने के लिए करीब आठ पहले आ गई थी, लेकिन यहां से संचालित करीब 59 बसों को दूसरी जगह शिफ्ट नहीं किया गया। बसों के शिफ्ट किए बिना ही निर्माण शुरू कर दिया है। जिस स्थान पर निर्माण कार्य चल रहा है, वहीं से बसें चल रही हैं। निर्माण कार्य के बीच यात्री पहुंच रहे हैं। उनकी सुरक्षा के लिए कोई दिशा निर्देश भी जारी नहीं किए गए हैं।

राजस्व की चिंता के कारण यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़

यदि बसों का संचालन साहिबाबाद डिपो से किया जाता है तो रोडवेज में यात्रियों की संख्या कम हो सकती है। पुराने बस अड्डे पर यात्री अधिक संख्या में पहुंचते हैं।

माना जा रहा है कि साहिबाबाद डिपो पर इतनी संख्या में यात्री नहीं पहुंचेंगे। ऐसे में रोडवेज का राजस्व कम होगा। अधिकारी राजस्व का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाएंगे। जानकारों की माने तो राजस्व के चक्कर में निर्माण कार्य के बीच बसों का संचालन किया जा रहा है।

अत्याधुनिक बस अड्डे में ये होंगी सुविधाएं

अत्याधुनिक बस अड्डा बनने पर यहां यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं रहेंगी।

बस देखने के लिए बड़ी एलईडी स्क्रीन लगेंगी। जिस पर यात्री बस चलने का समय देख सकेंगे।

विश्रामालय व बैठने के लिए यात्री हाल की व्यवस्था होगी।

बेहतर कनेक्टिविटी के लिए वाई-फाई भी लगेगा।

विभिन्न तरह के आउटलेट्स की सुविधा भी रहेगी।

इसके लिए दुकानें बनाई जाएंगी। यहां निजी स्तर पर भी दुकाने संचालित होंगी।

तेज रफ्तार बोलेरो डिवाइडर को फांदते हुए कार को टक्कर मारकर कैब पर चढ़ी, दो लोगों की मौत

दिल्ली-नोएडा लिंक रोड पर एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। तेज रफ्तार बोलेरो कार डिवाइडर को फांदकर सड़क के दूसरी तरफ चली गई और सामने से आ रही दो कारों से टकरा गई। हादसे में कैब चालक और एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई जबकि बुजुर्ग पुरुष की हालत गंभीर बनी हुई है।

दिल्ली। दिल्ली-नोएडा लिंक रोड पर तेज रफ्तार के कहर ने दो लोगों की जान ले ली। तेज गति में अक्षरधाम मंदिर की ओर से ओर से आ रही बोलेरो कार डिवाइडर को फांदकर सड़क के दूसरी तरफ चली गई और सामने से नोएडा से आ रही बलेनो कार से टकराने के बाद हवा में उछलकर ब्ल्यू स्मार्ट टाटा-ईवी कैब पर जा चढ़ी।

हादसा इतना भीषण था कि कैब के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद आरोपित अपनी कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कैब चालक अर्जुन सिंह सोलंकी को एलबीएस अस्पताल व कैब में सवार बुजुर्ग दंपती संजीव धूपरा व इनकी पत्नी सुमन धूपरा को नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां कैब चालक व बुजुर्ग महिला को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बोलेरो के अंदर शराब की बोतल बरामद

बुजुर्ग के पति की हालत अस्पताल में गंभीर बनी हुई है। मयूर विहार थाना पुलिस ने कैब चालक के शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद स्वजन को सौंप दिया है। बोलेरो कार के अंदर से शराब की बोतल बरामद हुई है। आशंका है शराब के नशे में हादसा हुआ। बोलेरो कार तेमूर नगर निवासी अमित के नाम पर पंजीकृत है।

तीन घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया

पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि शनिवार रात 12:45 डीएनडी के पास दिल्ली-नोएडा लिंक रोड पर सड़क हादसा होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची। कैब के ऊपर बोलेरो कार चढ़ी हुई थी। पुलिस ने कैब के अंदर से तीन घायलों को निकाला और अस्पताल में भर्ती करवाया।

बोलेरो नोएडा की ओर जा रही थी

जांच में पता चला बुलंदशहर स्थित खुर्जा निवासी अर्जुन अपनी कैब से गुरुग्राम निवासी चार्टर्ड अकाउंटेंट संजीव व उनकी पत्नी सुमन को नोएडा से अक्षरधाम मंदिर की तरफ लेकर जा रहे थे। मौके पर बलेनो कार चालक आकाश मिले। उन्होंने बताया कि तेज रफ्तार काले रंग की बोलेरो कार अक्षरधाम मंदिर की तरफ से नोएडा की ओर जा रही थी। अचानक डिवाइडर को फांदते हुए सड़क की दूसरी तरफ आ गई।

कैब में पीछे की सीट पर महिला बैठी थी

पहले उनकी कार को सामने से टक्कर मारी और हवा में उछलकर पीछे आ रही कैब पर जा चढ़ी। हादसे में वह बाल बाल बच गए। जबकि कैब बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कैब चालक के पीछे सीट पर बुजुर्ग महिला बैठी हुई थी। हादसे में वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस का कहना है आरोपित की कार को कब्जे में लेने के साथ आरोपित की तलाश की जा रही है।

लापरवाही की हद !: हेडलाइट खराब... टॉर्च की रोशनी में दौड़ाई बस, चार घंटे तक 25 यात्रियों की अटकी रहीं सांसें

लखनऊ से बलिया जा रही रोडवेज बस की हेडलाइट बंद हो गई। जिसके बाद परिचालक ने टॉर्च खरीदकर बस के आगे वाले हिस्से पर बांध दिया और उसी के सहार 25 यात्रियों से भरी बस लेकर रवाना हुए। इस दौरान यात्रियों की सांसें अटकी रहीं।

नई दिल्ली। महाकुंभ की तैयारियों के बीच परिवहन निगम की व्यवस्थाओं की पोल खुल गई। लखनऊ से बलिया जा रही रोडवेज बस खराब हो गई तो यात्रियों से धक्का लगवाकर स्टार्ट किया गया। फिर उसकी हेडलाइट बंद हो गई। रात करीब आठ बजे आजमगढ़ बस स्टैंड पर मदद नहीं मिलने पर परिचालक ने 250 रुपये की टॉर्च खरीदकर बस के आगे बांध दी। फिर टॉर्च की रोशनी के सहारे चालक बस लेकर रवाना हुआ। यात्री भी अपने मोबाइल फोन की टॉर्च जलाए रहे। बलिया तक करीब चार घंटे के सफर के दौरान बस में सवार 25 यात्रियों की सांसें अनहोनी की आशंका में अटकी रहीं।

बलिया रोडवेज डिपो की बस यूपी 50 बीटी 3325 शनिवार को लखनऊ से चली थी। आजमगढ़ पहुंचने से पहले बस खराब हो गई।यात्रियों से धक्का लगवाकर बस को स्टार्ट किया गया। किसी तरह बस आजमगढ़ डिपो पहुंची, मगर उसकी हेडलाइट खराब हो गई।

बस में सवार यात्रियों के अनुसार, परिचालक ने पीछे से आ रही आंबेडकरनगर डिपो की बस में सवारियों को बैठाने का अनुरोध किया, मगर आंबेडकर नगर डिपो के परिचालक ने मना कर दिया। रात में कोई अन्य साधन नहीं मिलता देख यात्री परेशान हो गए।

परिचालक भरत यादव ने बताया कि उसने डिपो में मौजूद अधिकारियों को यह बात बताई लेकिन किसी ने गंभीरता से नहीं लिया। उसने 250 रुपये की टॉर्च खरीदी और उसे जलाकर हेडलाइट के पास बांध दिया। इसके बाद बस आजमगढ़ रोडवेज परिसर से बलिया के लिए रवाना हुई। कुछ यात्री अपने-अपने मोबाइल फोन की टॉर्च भी जलाए थे। चालक ने किसी तरह बस को बलिया डिपो तक पहुंचाया तो यात्रियों ने राहत की सांस ली।

यात्री बोले

लखनऊ से आ रहा हूं। रास्ते में बस खराब हो गई थी तो धक्का देकर स्टार्ट कराया गया। फिर हेडलाइट खराब हो गई। कोई बस नहीं होने पर मजबूरी में जाना पड़ रहा है। - आदित्य कुमार गुप्ता, यात्री

सरकारी बस से यात्रा करने पर भरोसा रहता है कि कोई दिक्कत नहीं होगी। यहां तो बस की खराबी के कारण कई घंटे की देरी हो गई। बिना लाइट की बस से पहली बार सफर कर रहा हूं। -अमित कुमार, यात्री

क्या बोले अधिकारी

चालक-परिचालक को इस स्थिति से अवगत कराना चाहिए। बिना हेडलाइट के बस का संचालन रात में कतई नहीं करना चाहिए। कार्यशाला में बस को दिखवाना चाहिए था। यह गलत है। कार्रवाई होगी।

- मनोज कुमार वाजपेई, आरएम आजमगढ़

पार्टनर के साथ दो दिन के लिए नैनीताल घूमने का बना रहे प्लान, तो यहां देखें ट्रिप से जुड़ी जरूरी डिटेल

नैनीताल उत्तराखंड का एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यहां पर शिमला और मनाली की तुलना में कम भीड़ होती है। अगर आपके पास दो दिन की छुट्टी है, तो आप नैनीताल को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

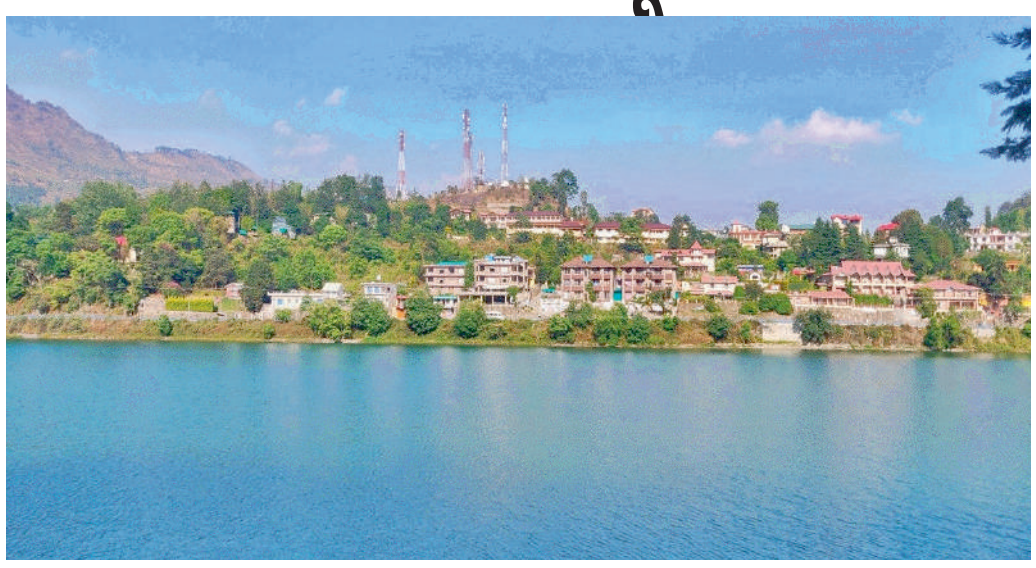

नई दिल्ली। सर्दियों के मौसम में अधिकतर लोग बर्फबारी देखने या पहाड़ों की सैर करना पसंद करते हैं। इसलिए दिसंबर और जनवरी में अधिकतर लोग हिल स्टेशन का रुख करते हैं। वहीं घूमने का शौक रखने वाले लोग अक्सर कहीं ना कहीं का ट्रिप प्लान कर लेते हैं। ऐसे में अगर आप भी कहीं जाने की योजना बना रहे हैं और कम छुट्टियों में और बजट में सैर करना चाहते हैं। तो नैनीताल हिल स्टेशन आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है।

नैनीताल उत्तराखंड का एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यहां पर शिमला और मनाली की तुलना में कम भीड़ होती है। अगर आपके पास दो दिन की छुट्टी है, तो आप नैनीताल को एक्सप्लोर कर सकते हैं। दिल्ली से नैनीताल की दूरी करीब 300 किमी है। यहां के सुंदर प्राकृतिक नजारे, झील, पहाड़ियां और जंगल आदि लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। ऐसे में अगर आप भी नैनीताल जाना चाहते हैं, तो आप दो दिन का ट्रिप प्लान कर सकते हैं। हम इस आर्टिकल के जरिए आपको इस ट्रिप से जुड़ी पूरी डिटेल और आने वाले खर्च के बारे में बताने जा रहे हैं।

दिल्ली से ऐसे पहुंचे नैनीताल

नई दिल्ली से नैनीताल जाने का सबसे अच्छा तरीका ट्रेन है। आप दिल्ली से काठगोदाम तक ट्रेन के जरिए जा सकते हैं। यहां पर आप छह-साढ़े छह घंटे में पहुंच सकते हैं। बता दें कि काठगोदाम से नैनीताल की दूरी 13 किमी है। काठगोदाम से नैनीताल आप बस या टैक्सी से जा सकते हैं। वहीं बस से भी आप साढ़े सात घंटे में काठगोदाम पहुंच सकते हैं। अगर आप दिल्ली से डायरेक्ट नैनीताल जाना चाहते हैं, तो आपको बस की सुविधा मिल जाएगी।

नैनीताल में घूमने की जगहें

आप नैनीताल में फेमस नैनी लेक में नौकाविहार करने के साथ ऐतिहासिक चर्च, माल रोड से शॉपिंग और देवदार के पेड़ों से भरे घने जंगल की सैर कर सकते हैं। वहीं आप नैनीताल के मुख्य आकर्षण स्थलों को भी घूमने के लिए जा सकते हैं।

इको केव गार्डन

नैनीताल में 6 छोटी गुफाओं वाली इको केव गार्डन काफी ज्यादा फेमस है। यहां पर गुफाएं जानवरों के आकार की हैं।

स्नो व्यू प्वाइंट

नैनीताल में सिर्फ झील ही नहीं बल्कि आप बर्फीले पहाड़ के नजारे भी देख सकते हैं। नैनीताल के स्नो व्यू प्वाइंट से ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और बादलों की सफेद चादर को बेहद करीब से देख पाएंगे।

टिफिन टॉप

कुमाऊं की पहाड़ियां इस जगह को घेरती हैं। यह जगह टिफिन टॉप चेर, ओक और देवदार के पेड़ों से घिरा है। इसके अलावा अगर आप एडवेंचर के शौकीन हैं, तो आपको पिकनिक स्पॉट जरूर जाना चाहिए।

नैना देवी मंदिर

नैनीताल में 52 शक्तिपीठों में से एक नैना देवी मंदिर के दर्शन के लिए जा सकते हैं। इस स्थान पर मां सती के नेत्र गिरे थे। आप मंदिर तक पैदल या फिर उड़नखटोले के जरिए पहुंच सकते हैं।

कैंची धाम

अगर आपके पास समय है, तो आप नैनीताल से करीब 20 किमी दूर कैंची धाम मंदिर के दर्शन के लिए जा सकते हैं। यहां पर आप बस, टैक्सी या फिर स्कूटी आदि से यहां तक पहुंच सकते हैं।

नैनीताल में कहां रुकें

नैनीताल में बस अड्डे से करीब माल रोड के पास आपको 1500 रुपए तक में होटल में अच्छा कमरा मिल जाएगा। इसके अलावा आप होम स्टे में भी सस्ता रूम बुक कर सकते हैं। अगर आप ऑनलाइन माध्यम से रूम बुक करना चाहते हैं, तो ट्रिप पर जाने से पहले बुक करें, जिससे आपको सही डील मिल सके।

नैनीताल घूमने का खर्च

दिल्ली से नैनीताल बस का किराया 1000 रुपए से 1700 रुपए प्रति व्यक्ति है। वहीं दिल्ली से काठगोदाम तक ट्रेन का किराया 1000 रुपए के अंदर रहेगा। काठगोदाम शताब्दी के लिए आपको सिर्फ 710 रुपए खर्च करने होंगे। वहीं रानीखेत एक्सप्रेस स्लीपर क्लास का किराया 205 रुपए है। वहीं आप नैनीताल को एक्सप्लोर करने के लिए स्कूटी रेंट पर ले सकते हैं, जोकि आपको 500 से 1000 रुपए तक में मिल जाएगी।

पीक सीजन में होटल का किराया 1000 रुपए से अधिक हो सकता है। वहीं यहां पर खानपान भी अधिक महंगा नहीं है। नैनीताल में दो दिन में आपको करीब 2000 रुपए खाने-पीने पर खर्च करने पड़ सकते हैं। ऐसे में कपल 5000-6000 रुपए में आराम से नैनीताल घूम सकते हैं।

मोबाइल में नहीं है इंटरनेट तो कैसे करें यूपीआई पेमेंट? जानें पूरी जानकारी

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने एक नई सेवा शुरू की है जो इंटरनेट एक्सेस के बिना UPI भुगतान की अनुमति देती है। यह सेवा यूजर्स को आधिकारिक USSD कोड डायल करके ऑफलाइन बैंकिंग सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाती है।

आज के डिजिटल युग में UPI हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। चाहे शॉपिंग के लिए भुगतान करना हो या किसी रेस्टोरेंट में खाना, हममें से ज्यादातर लोगों ने कैशलेस लेन-देन को अपनाया है और ऑनलाइन पेमेंट पर काफी ज्यादा निर्भर हैं। हालांकि, ये लेन-देन इंटरनेट कनेक्टिविटी पर निर्भर करते हैं। अगर किसी भी समय इंटरनेट काम करना बंद कर देता है, तो इससे भुगतान में बाधा आ सकती है और असुविधा हो सकती है। लेकिन अब, आप UPI का इस्तेमाल कर सकते हैं और इंटरनेट कनेक्शन के बिना भी भुगतान कर सकते हैं।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने एक नई सेवा शुरू की है जो इंटरनेट एक्सेस के बिना UPI भुगतान की अनुमति देती है। यह सेवा यूजर्स को आधिकारिक USSD कोड, *99# डायल करके ऑफ़लाइन बैंकिंग सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाता है। इस नंबर के माध्यम से यूजर्स विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें इंटरबैंक फंड ट्रांसफर, अकाउंट बैलेंस चेक करना और UPI पिन सेट करना या बदलना शामिल है।

पेमेंट के लिए यूएसएसडी कोड का उपयोग कैसे करें?

- अपने बैंक में पंजीकृत मोबाइल नंबर से *99# डायल करें।
- अपने फोन स्क्रीन पर संबंधित नंबर का चयन करके अपनी पसंदीदा भाषा चुनें।
- इच्छित बैंकिंग सुविधा का चयन करें, जैसे मनी ट्रांसफर, शेष राशि की जांच, या लेनदेन देखना।
- पैसा ट्रांसफर करने के लिए, '1' टाइप करें और भेजें दबाएं।
- पैसे भेजने का तरीका चुनें, जैसे मोबाइल नंबर, यूपीआई आईडी, सहेजा गया संपर्क या कोई अन्य विकल्प और भेजें दबाएं।
- यदि मोबाइल नंबर विकल्प का उपयोग कर रहे हैं, तो प्राप्तकर्ता का नंबर दर्ज करें और भेजें दबाएं।
- पेमेंट राशि दर्ज करें और भेजें दबाएं।
-वैकल्पिक रूप से, पेमेंट के लिए एक टिप्पणी जोड़ें।
- लेनदेन पूरा करने के लिए अपना UPI पिन दर्ज करें।

मकर संक्रांति पर तिल-गुड़ खाने से शरीर को मिलते हैं गजब के फायदे

मकर संक्रांति का त्योहार के पूरे भारत में धूमधाम से मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन तिल-गुड़ का सेवन करने से कई हेल्थ से जुड़े फायदे होते है। चलिए आपको इन फायदों को बारे में बताते हैं।

नई दिल्ली। कल 14 जनवरी को मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के तौर तिल और गुड़ खाया जाता है। तिल-गुड़ के सेवन से शरीर को कई पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। जरुरी न्यूट्रिशन होने से तिल-गुड़ का सेवन हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद रहता है। कुछ लोग तो तिल के लडडू भी खाते हैं। आइए आपको बताते हैं गुड़-तिल खाने फायदे।

मजबूत होती है हड्डियां

अगर आप भी मकर संक्रांति के दिन तिल-गुड़ का सेवन करते हैं तो आपको बता दें कि इससे आपकी हड्डियां मजबूत होगी। इसमें मौजूद पोटैशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम के गुण होते हैं, जो शरीर की हड्डियों को मजबूत करते हैं।

पाचन स्वस्थ रहता है

आमतौर पर ज्यादातर लोग कब्ज की समस्याओं से परेशान रहते हैं। कब्ज और पाचन संबंधित समस्याओं से बचने के लिए तिल-गुड़ काफी लाभकारी होता है। इसमें मौजूद फाइबर के गुण पेट को स्वस्थ बनाएं रखते हैं।

एनर्जी देता है

आप शायद ही नहीं जानते होंगे कि मकर संक्रांति के दिन तिल-गुड़ का सेवन करने से शरीर में ऊर्जा बनीं रहती है। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर की थकान और कमजोरी दूर करते हैं। इसलिए आप तिल को रोस्ट करके गुड़ के चूरे में मिक्स करके खा सकते हैं।

ठंड में गर्मी देता

मकर संक्रांति के दौरान काफी ठंड होती है। तिल और गुड़ का तासीर गर्म होती है। इसलिए इस दिन तिल-गुड़ के सेवन से सर्दी से बचाव किया जा सकता है। यह दोनों ठंड से बचाते हैं।

गले में फायदा पहुंचता है

तिल-गुड़ के सेवन करने से गले का दर्द और खराश दूर होती है। आमतौर पर सर्दियों के दौरान गले में खराश और खांसी जरुर होती है। कभी-कभी तो गले में खराश होती है। इसलिए तिल-गुड़ खाने से खराश और खांसी में आराम मिलती है।

हेल्दी स्किन

तिल-गुड़ के सेवन करने से स्किन हेल्दी बनी रहती है। इसके सेवन से स्किन जवां बनी रहती है। क्योंकि तिल-गुड़ खाने से शरीर के टॉक्सिंस निकालता है। जिससे आपकी स्किन साफ रहती है।

चेहरे की झाइयां मिनटों में होगी दूर, इन उपायों के करने से हफ्ते में दिखेगा असर

झाइयां एक प्रकार की स्किन प्रॉब्लम है। झाइयों की वजह से महिलाओं की खूबसूरती चली जाती है। इस स्किन प्रॉब्लम को दूर करने के लिए महिलाएं क्या-क्या नहीं करती है। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि कुछ रेमेडीज के बारे में जिनका इस्तेमाल कर सकते हैं।

नई दिल्ली। स्किन का ख्याल रखना भी काफी जरुरी होता है। अगर आप त्वचा का ध्यान नहीं रखेंगे तो स्किन प्रॉब्लम जैसी समस्याएं देखने को मिल सकती है। झाइयां केवल चेहरे पर होती है और इसके धब्बे नाक, गाल और माथे पर दिखाई देते हैं। ये दाग चेहरे की सुंदरता को कम कर देते हैं। वैसे तो केमिकल वाले प्रोडक्ट भले ही इन्हें कम कर दें लेकिन उनसे स्किन पर बुरा असर पड़ता है। आइए आपको कुछ घरेलू तरीकों को अपना सकते हैं।

जायफल का इस्तेमाल करें

चेहरे की झाइयों को दूर करने के लिए आप जायफल का इस्तेमाल कर सकते है। इसके लिए आप आधा गिलास दूध लें और फिर इसमें एक जायफल को 5 मिनट कर उबालें। इसके बाद जायफल को अलग निकाल लें और उसे सिल बट्टे या पत्थर के चकले पर रगड़ते हुए इसे पीस लें। जायफल पीसते हुए इसमें जरुरत के मुताबिक उबले दूध को मिक्स कर लें और एक पेस्ट को तैयार कर लें। इस पेस्ट को झाइयो पर लगाएं। जब सूख जाए तो इसे अच्छे से धो लें।

हल्दी-दूध का नुस्खा

इसके लिए आपको हल्दी और दूध को एक साथ मिला लीजिए और गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इस फेस मास्क को दाग-धब्बों वाली जगह पर लगाएं और 20 मिनट बाद ही मुंह धो लें। इससे आपके चेहरे की झाइयां दूर हो जाएगी।

सनस्क्रीन जरुर लगाएं

इन नुस्खों के साथ ही झाइयों को निपटने के लिए आप सनस्क्रीन का इस्तेमाल कर सकते हैं और फिर इसे ठीक कर सकते हैं। चेहरे के यूवी किरणों से बचाने के लिए हाई एसपीएफ रेटिंग वाले सनस्क्रीन को चुनें और इसे सही से लगाएं। चाहे धूप हो या ना हो, चेहरे पर सनस्क्रीन जरुर लगाएं।

मकर संक्रांति के दिन घर पर बनाएं बेसन सेव और गुड़ से टेस्टी लड्डू, नोट करें रेसिपी

मकर संक्रांति के दिन घर में कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाएं जाते हैं। इस दिन केवल तिल और गुड़ ही नहीं बल्कि बेसन सेव के बनाएं क्रिस्पी लड्डू बना सकते हैं। नोट करें ये आसान रेसिपी।

नई दिल्ली। मकर संक्रांति का पर्व हिंदू घर्म में मुख्य त्योहारों में से एक है। इस त्योहार को बेहद उत्साह पूर्वक सहित धूमधाम से मनाया जाता है क्योंकि यह नए साल का पहला पर्व होता है। मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदियों में स्नान और दान-पुण्य के कार्य भी किए जाते हैं। इस दिन हर भारतीय घर में कई पकवान और डिशेज बनती है। मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ से बनीं चीजें खाई जाती है। इस दिन केवल तिल और गुड़ ही नहीं बल्कि बेसन सेव के बनाएं क्रिस्पी लड्डू बना सकते हैं। इसके बनाना बेहद आसान है, बेसन सेव और गुड़ के लड्डू बनाने के बाद इसे सब खाना पसंद करेंगे। चलिए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

सेव लड्डू बनाने की सामग्री

- 250 ग्राम बेसन
- 100 ग्राम गुड़
- एक चौथाई चम्मच बेकिंग सोडा
- 3 चम्मच रिफाइंड ऑयल मोयन के लिए
- तलने के लिए तेल

सेव लड्डू बनाने की विधि

- सबसे पहले आप बेसन लें और उसमें बेकिंग सोडा एक चौथाई चम्मच मिला लें। अगर आपको सौंफ पसंद है, तो आप एक चम्मच डाल दीजिए।
- बेसन को अच्छे तरह से मिक्स करें और मोयन के लिए दो से तीन चम्मच तेल डालकर हाथ से अच्छे से मिला सकते हैं। जिससे बेसन साथ में बंधने लगे।
- अब पानी डालकर सॉफ्ट आटा गूंथ लें।
- हाथों में तेल लगाकर इस आटे की उठाएं और सेव वाली मशीन में डालकर भर लें।
- इसके बाद आप कड़ाही में तेल डालें और गर्म हो जाने के बाद मशीन से सीधे तेल में बेसन के सेव को निकालें।
- जब यह गोल्डन ब्राउन हो जाए तो इसे बाहर निकाल लें।
- यदि आपके पास सेव वाली मशीन नहीं है तो छेद वाले करछूल से सेव बना सकते हैं।
- सेव को क्रश कर छोटे-छोटे टुकड़ों में कर के रख लें।
- अब कड़ाही में गुड़ को छोटे-छोटे टुकड़ों में करके डाल दें। जिससे ये पिघल जाए।
- इसके साथ ही दो से तीन चम्मच पानी डालें। साथ ही देसी घी डाल दें। इससे गुड़ बर्तन में चिपके नहीं।
- जब गुड़ अच्छे से मेल्ट हो जाए तब चाश्नी तैयार कर लें। चाश्नी को पानी में डालकर चेक कर लें कि गुड़ एक बार में गोल शेप ले रहा या नहीं। यदि गोल हो जा रहा तो इसका मतलब है कि चाश्नी तैयार है। फिर आप गैस की आंच को धीमा कर दे और सेव को डालकर चलाएं। जिससे सारे सेव पर गुड़ की चाश्नी की कोटिंग हो जाए।
- अब आप गैस की फ्लेम को बंद करें और हाथों में पानी लगाकर फटाफट लड्डू तैयार करें।
- अगर आप चाहे तो इसे थाली में फैलाकर बर्फी का शेप भी दे सकते हैं।

बार-बार गिने-चुने हिल स्टेशन देखकर पक गए हैं! तो इस नई जगह पर घूमकर आएं

जम्मू और कश्मीर बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है पटनीटॉप। यहां के प्राकृतिक नजारे, देवदार के जंगल, बर्फ से ढके पहाड़ और हरी-भरी घाटियों के मनोरम दृश्य देखना चाहते हैं, तो आप पटनीटॉप जरुर जाएं।

नई दिल्ली। घुमक्कड़ लोग हमेशा घूमने के लिए नई जगह तलाश करते रहते है। अधिकत्तर लोग ऐसी जगहें को चुनते हैं, जहां उन्होंने एक्सप्लोर न की हो। यदि आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, वहीं बोरिंग हिल स्टेशन पर घूमना नहीं चाहते हैं, तो आप पटनीटॉप जा सकते हैं। यहां पर सुंदर घास के मैदान, रोपवे, धार्मिक स्थल और बर्फ से ढकी हिमालय की सुंदर चोटियों के सुंदर नजारे देखने के लिए ये जगह काफी मस्त है। चलिए आपको बताते हैं, आप कहां जा सकते हैं।

नाथाटॉप

जम्मू के नाथाटॉप से 2 किलोमीटर दूर पटनीटॉप से एक छोटा ट्रेक है। विंटर सीजन में यह हिल स्टेशन बर्फ से ढका रहता है जिससे इसकी सुंदरता और भी बढ़ जाती है। यहां आप पैराग्लाइडिंग और स्कीइंग जैसी एक्टिविटीज के लिए फेमस है। हिल स्टेशन पर सड़क के किनारे लोकल फूड का स्वाद ले सकते हैं।

नाग मंदिर

पटनीटॉप के पास नाग मंदिर 600 साल से ज्यादा पुराना है। नाग पंचमी महोत्सव के दौरान यहां पर श्रद्धालुओं की भीड लग जाती है। ये लकड़ी से बना मंदिर है जो सदियों पुराना है।

सनासर गांव

यह गांव ऐडवेंचर एक्टिविटी और सुंदर नजारों के लिए फेमस सनासर गांव काफी खूबसूरत है। ऐडवेंचर प्रेमियों और नेचर लवर दोनों के लिए यह जगह बेहद खूबसूरत है।

सनासर झील

पटनीटॉप शहर से केवल 20 किमी दूरी पर स्थित इस जगह का नाम जम्मू और कश्मीर के उधमपुर जिले की दो झीलों, सना और सार के नाम पर रखा गया है। देवदार के पेड़ों से घिरी ये झील आपको स्विट्जरलैंड की याद दिला सकता है। सनासार झील सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है।

बगलिहार बांध

पटनीटॉप में घूमने की जगहों में बगलिहार बांध एक बेहद ही खूबसूरत प्लेस है। दो पहाड़ों के बीच स्थित होने के कारण यह जगह काफी सुंदर है।

नई दिल्ली विधानसभा में भाजपा की धांधली जारी

चुनाव आयोग से मिल गड़बड़ी में शामिल डीएम को तुरंत हटाने की मांग- केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र मे भाजपा द्वारा की जा रही धांधली को रोकने और पटपड़गंज से प्रत्याशी अवध ओझा का वोट दिल्ली में शिफ्ट करने का आदेश देने की मांग को लेकर चुनाव आयोग से मुलाकात की। उन्होंने चुनाव आयोग को दोनों ही मुद्दों को विस्तार से बताया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा में भाजपा की धांधली जारी है। हमने चुनाव आयोग से इस गड़बड़ी में शामिल स्थानीय डीएम को तुरंत हटाने की मांग की है। भाजपा फर्ज़ी वोट बनवाने के साथ ही पैसे, चादरें और चश्मे बांटने का खेल भी डीएम की मिलीभगत से कर रही है। चुनाव आयोग ने हमें एक-एक वोट की गहन छानबीन करने और किसी भी हाल में फर्जी वोट नहीं बनने देने का आश्वासन दिया है।

चुनाव आयोग से मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से सुबह ही टाइम मांगा था। उन्होंने इतनी शॉर्ट नोटिस पर हमें मिलने के लिए बुलाया, इसके लिए हम चुनाव आयोग का शुक्रिया अदा करते हैं। एक अच्छी खबर यह है कि चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी से पटपड़गंज विधानसभा के उम्मीदवार अवध ओझा के वोटर आईडी को दिल्ली में शिफ्ट करने के आदेश दे दिए हैं। अब उनका वोट दिल्ली में बन जाएगा और वह अपना नामांकन दाखिल कर पाएंगे। इसके लिए भी मैं चुनाव आयोग का शुक्रिया अदा करता हूं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने चुनाव आयोग को बताया कि किस तरह नई दिल्ली विधानसभा में पिछले 15 दिनों के अंदर बीजेपी के एक-एक सांसद के यहां 30 से 40 वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी गई है। चुनाव आयुक्त ने हमें आश्वासन दिया है कि किसी भी हाल में एक भी गलत वोट नहीं बनने दिया जाएगा और एक-एक वोट की गहरी छानबीन करके ही कोई एक्शन लिया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि नई दिल्ली विधानसभा के अंदर भाजपा का उम्मीदवार खुलेआम चादरें बांट रहा है। रविवार को किदवई नगर में चादरें बंटी हैं। एक दूसरी कॉलोनी के अंदर जूते बांटे गए हैं। एक कॉलोनी में जैकेट बांटी गई हैं। पैसे और चश्मे बांटे जा रहे हैं। जिस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उनके पास स्थानीय डीएम की रिपोर्ट आई है। उस रिपोर्ट के अनुसार ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। इस पर हमने चुनाव आयोग से कहा कि इससे साफ जाहिर है कि स्थानीय डीएम भी मिला हुआ है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चादरों के ट्रक आ रहे हैं। खुलेआम दोपहर में चादरें बंट रही हैं और पूरी दुनिया को दिखाई दे रहा है लेकिन डीएम को दिखाई नहीं दे रहा है। इससे साफ जाहिर है कि डीएम भी मिला हुआ है। हमने आज फिर से कहा है कि डीएम को सस्पेंड किया जाए और उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाए। साथ ही सारी गैरकानूनी गतिविधियां बंद की जाएं। चुनाव आयोग ने हमें यह आश्वस्त किया है कि इन सभी गतिविधियों पर रोक लगाई जाएगी।

'इस वारी सुण लो, फिर केजरीवाल नु चुण लो' पंजाबी गाना सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

सुषमा रानी

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी ने लोहड़ी त्यौहार के मद्देनजर नया गाना जारी किया है। पंजाबी भाषा में बनाया गया यह स्पेशल गाना आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को केंदित है। गाने की बोल 'दिल्ली दा पुत्त केजरीवाल' है। इस गाने के जरिए दिल्ली की जनता से अपील की गई है कि इस बार भी दिल्ली के बेटे अरविंद केजरीवाल को चुनिए, ताकि पहले से चल रही जनहितकारी योजनाएं जारी रहें और अरविंद केजरीवाल की दी गई गारंटी को लागू किया जा सके।

लोहड़ी त्यौहार के मौके पर आम आदमी पार्टी ने अपना नया स्पेशल सॉन्ग लॉन्च किया है, जिसका टाइटल 'दिल्ली दा पुत्त केजरीवाल' है। आम आदमी पार्टी ने इस स्पेशल गाने में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल द्वारा किए गए कामों का जिक्र किया है और अरविंद केजरीवाल की नीतियों को जनता के बीच में और भी मज़बूती से पेश करने की कोशिश की गई है। यह गाना अरविंद केजरीवाल के सपनों को दर्शाता है, जो दिल्ली के विकास के लिए काम कर रहे हैं।

आम आदमी पार्टी ने इस पंजाबी गाने को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया है, जो खूब वायरल हो रहा है। इस गाने में अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली की जनता को दी जा रही मुफ्त बिजली, पानी, बुजुर्गों की तीर्थयात्रा समेत अन्य कामों का जिक्र किया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि चुनाव बाद अरविंद केजरीवाल की सरकार बनती है तो महिला सम्मान योजना के तहत सभी महिलाओं को 2100 रुपए हर महीने उनके खाते में डाला जाएगा। साथ ही संजीवनी योजना को भी लागू किया जाएगा। इस योजना के तहत 60 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों के इलाज का सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी। पार्टी ने गाने को साझा करते हुए दिल्ली की जनता को इस बार भी अरविंद केजरीवाल की सरकार बनाने की अपील की है।

'मिशन ग्रे हाउस की स्टारकास्ट' ने राजधानी दिल्ली में किया फिल्म का प्रमोशन

सुषमा रानी

दिल्ली : सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'मिशन ग्रेहाउस', ट्रेलर और म्यूजिक रिलीज होने के बाद से ही काफी चर्चा में है।फिल्म के ट्रेलर और म्यूजिक को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर काफी पॉपुलरिटी मिल रही है। फिल्म में लीड रोल निभाने वाले ऐक्टर अबीर खान, बॉलीवुड में अपनी ऐक्टिंग का लोहा मनवाने वाले राजेश शर्मा और फिल्म के निर्देशक नौशाद सिद्दीकी फिल्म के प्रमोशन के लिए राजधानी दिल्ली पहुंचे और विभिन्न न्यूज चैनल्स पर अपनी फिल्म का प्रमोशन किया और मीडिया से बात की।

फिल्म में एक बड़े पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने वाले प्रसिद्ध अभिनेता राजेश शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा ₹अबीर खान की यह डेब्यू फिल्म है लेकिन उन्होंने अपने किरदार को असरदार बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है जो फिल्म देखने पर नजर आएगा।फिल्म में मैं एक आई जी की भूमिका में हूँ जिसका अबीर खान के किरदार के साथ अच्छा बॉन्ड है। यह एक सस्पेंस थ्रिलर है जो रियल लोकैशन पर शूट हुई है और आपको एंटरटेनमेंट के साथ भरपूर दिमागी कसरत कराएगी।पहले भी मैं इस प्रकार की भूमिकाएं निभाता रहा हूँ और मिशन ग्रे हाउस में भी नौशाद सिद्दीकी के निर्देशन में अबीर खान के साथ काम कर के काफी मज़ा आया।

फिल्म में यंग पुलिस ऑफिसर कबीर राठोर का मुख्य किरदार निभाने वाले ऐक्टर अबीर खान ने कहा कि ₹फ़िल्म की कहानी युनीक है, हम दर्शकों के सामने इस फ़िल्म के ज़रिए एक नए तरह का एंटरटेनमेंट कॉन्सेप्ट प्रस्तुत करने जा रहे हैं जो सस्पेन्स सीन्स, जबरदस्त थ्रिल, जोरदार एक्शन और ड्रामा से भरपूर है।फिल्म में काफी टर्न एण्ड ट्विस्ट हैं जिन्हें देखकर दर्शक चौंक जाएंगे। इस फिल्म में रोमांचक कहानी को पर्दे पर बहुत ही दिलचस्प तरीके से प्रस्तुत करने के लिए हम सभी ने बहुत मेहनत की है और मुझे विश्वास है यह फिल्म दर्शकों को जरूर पसंद आएगी।

निर्देशक नौशाद सिद्दीकी ने कहा कि ₹फ़िल्म में एकदम अलग तरह ही स्टोरी दिखाई गई है, हम दर्शकों तक इस फ़िल्म के ज़रिए एक यंग टैलेंट अबीर ख़ान को इंट्रोड्यूस कर रहे हैं फिल्म में चौंकाने वाले सस्पेन्स सीन्स, जबरदस्त थ्रिल, जोरदार एक्शन और भरपूर ड्रामा है। अबीर के साथ ही हमने राजेश शर्मा जैसे बॉलीवुड के स्थापित कलाकारों को एकसाथ लाने का प्रयास किया है और इस रोमांचक कहानी को पर्दे पर बहुत ही दिलचस्प तरीके से फिल्माया हैं। मैं कह सकता हूँ की बॉलीवुड को अबीर खान के रूप में एक फ्रेश टैलेंट मिलने जा रहा है और एक रोचक कहानी देखने को मिलेगी जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के लिए तैयार है।

रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और रफत फिल्मस एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित फ़िल्म मिशन ग्रे हाउस में अबीर ख़ान के साथ ही ऐक्ट्रेस पूजा शर्मा भी अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। साथ ही राजेश शर्मा, रजा मुराद, निखत ख़ान(आमिर खान की बहन) और किरण कुमार जैसे फिल्म इंडस्ट्री के मंझे हुए और स्थापित कलाकारों से सजी है जिन्होंने अपने अनुभव और अद्भुत अभिनय क्षमता से फिल्म को रोचक बना दिया है।

23 मार्च 2025 को दिल्ली से आरंभ 101 दिवसीय पद यात्रा में शामिल होने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने किया जागरूक

संवाददाता /सुषमा रानी

जयपुर। राजधानी में रविवार को नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां जैन मंदिर के बड़जात्या सभागार में दोपहर 2 बजे से आयोजित सभा में 22वें जैन तीर्थंकर नेमिनाथ की गुजरात के जूनागढ़ में स्थित मोक्षस्थल गिरनार जी के लिए दिल्ली से आरंभ होने वाली धर्म पद यात्रा के लिए समर्थन सभा का आयोजन किया गया, इस सभा को विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन, दिल्ली ने संबोधित किया और सभा की अध्यक्षता अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल, अध्यक्ष महावीर जी तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा की गई, सुभाष जैन पांड्या अध्यक्ष, विनोद जैन कोटखावदा उपाध्यक्ष, मनीष वैद महामंत्री, राजस्थान जैन सभा, अधिवक्ता हेमंत सोगानी मानद मंत्री, पदमपुरा जैन मंदिर समिति, बाबू लाल जैन इटूंदा अध्यक्ष, विश्व जैन संगठन, जयपुर, अभिषेक जैन बिट्टू अध्यक्ष, अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ सहित जयपुर शहर के विभिन्न गणमान्यों ने भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए संजय जैन ने गिरनार जी पद यात्रा के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया समस्त समाज को जोड़ते हुए, जैन तीर्थों के संरक्षण को लेकर जागरूकता के साथ सभी को नेमिनाथ भगवान की मोक्षस्थल गिरनार जी के उनके मोक्षकल्याणक 2 जुलाई 2025 को दर्शन करने की अपील करते हुए देश की राजधानी दिल्ली से 23 मार्च 2025 प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ जन्मकल्याणक महोत्सव से शुरू हो रही 101 दिवसीय और 1500 किमी लंबी पदयात्रा को लेकर जानकारी साझा करते हुए पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सहयोग करने के लिए जागरूक किया।

राजस्थान जैन सभा अध्यक्ष सुभाष जैन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नेमिनाथ भगवान के मोक्ष स्थल गिरनार जी पर 101 दिन में उनके मोक्ष दिवस 2 जुलाई को पहुंचने वाली धर्म पदयात्रा में राजस्थान जैन सभा पूरा सहयोग करेगी और अधिक से अधिक समाज बंधुओं को इस यात्रा में जोड़ेगी।

पदमपुरा अतिशय क्षेत्र कमेटी मानद मंत्री अधिवक्ता हेमंत सोगानी ने कहा कि श्री गिरनार तीर्थ जैन समाज की आस्था का केंद्र है, जिस प्रकार की घटना पिछले काफी वर्षों से इस क्षेत्र पर हो रही है उससे बहुत पीड़ा होती है, विश्व जैन संगठन ने इस विशाल पदयात्रा का आयोजन कर समाज को नेमीनाथ मोक्ष स्थल से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया है जिसमें सभी समाजबंधु अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होगे, जयपुर जैन समाज को हम सभी मिलकर एकजुट करेंगे।

सभा की अध्यक्षता कर रहे महावीर तीर्थ क्षेत्र कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष श्रमण संस्कृति बोर्ड राजस्थान सरकार अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल ने कहा कि विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित विशाल पदयात्रा में पूरे देश के जैन समाज के साथ केवल जयपुर ही नहीं अपितु पूरा राजस्थान जैन समाज सम्मिलित होगा, हमारा यह सौभाग्य है कि इस यात्रा की मेजबानी करने का अवसर राजस्थान को भी प्राप्त होगा। जयपुर और राजस्थान जैन समाज पूरे तन, मन, धन से इस पद यात्रा में सम्मिलित होगा और सभी जैन तीर्थ क्षेत्रों का संरक्षण करेगा और समाज सभी वर्गों खासकर युवाओं और नवीन पीढ़ी को जागरूक करेगा।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन के साथ दिल्ली से आए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यश जैन, सहमंत्री मनीष जैन, प्रचार मंत्री प्रदीप जैन और अन्य सम्माननीय सदस्यों ने सभा में सहभागिता की और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की और से संगठन की जयपुर शाखा और सभा में उपस्थित समाज और संस्थाओं के सभी अधिकारियों और सदस्यों के साथ मीडिया के बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

केजरीवाल की बात को लोग पत्थर की लकीर मानते हैं, वह जो कहते हैं उसे करते हैं- सतपाल सिंह दूहन

सुषमा रानी

नई दिल्ली, पिछले 10 सालों से आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा द्वारा ठगे जाने से नाराज़ जाट समाज का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली के जाट समाज को केंद्र की ओबीसी लिस्ट में शामिल करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखने के लिए अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद किया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के जाट समाज को केंद्र की आरक्षण सूची में शामिल ना करना अन्याय है। आम आदमी पार्टी जाट समाज की इस जायज़ मांग के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री और भाजपा नेताओं को बताना चाहिए कि दिल्ली के जाट समाज को ओबीसी लिस्ट में कब शामिल किया जाएगा? वहीं, अंतर्राष्ट्रीय दूहन खाप के प्रधान सतपाल सिंह दूहन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की बात को लोग पत्थर की लकीर मानते हैं। वह जो कहते हैं, उसे करते हैं। इस अवसर पर ''आप'' के वरिष्ठ नेता सुशील गुप्ता व अनुराग ढांडा समेत दर्जनों जाट समाज के लोग मौजूद रहे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि जाट समाज के कई प्रतिनिधि मुझे धन्यवाद देने के लिए मेरे घर पर आए थे। मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर याद दिलाया था कि 2015 में प्रधानमंत्री ने जाट समाज को केंद्र सरकार की ओबीसी लिस्ट में शामिल करने का आश्वासन दिया था। अभी दिल्ली का जाट समाज दिल्ली सरकार में ओबीसी की कैटेगिरी में आता है लेकिन केंद्र की ओबीसी की लिस्ट में नहीं आता है। हमने प्रधानमंत्री से दिल्ली के जाट समाज केंद्र की ओबीसी लिस्ट में भी डालने का अनुरोध किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के किसी भी कॉलेज में राजस्थान के जाट समाज को आरक्षण मिलता है लेकिन दिल्ली के जाट समाज को नहीं मिलता है। क्योंकि राजस्थान का जाट समाज केंद्र सरकार की ओबीसी लिस्ट में शामिल है, लेकिन दिल्ली का जाट नहीं शामिल है। इससे बड़ी विसंगति व अन्याय और क्या हो सकता है। दिल्ली में स्थित केंद्र सरकार के सभी संस्थानों एम्स, सफदरजंग, एनडीएमसी और डीडीए में राजस्थान के जाट समाज को आरक्षण मिलता है लेकिन दिल्ली के जाट समाज को नहीं मिलता है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के जाट समाज को आरक्षण देने के लिए 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाट समाज को आश्वासन दिया था। उसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी 2017, 2019 और 2022 में आश्वासान दिया था। यह बहुत दुखद बात है कि देश के सबसे बड़े नेताओं ने अपना आश्वासन पूरा नहीं किया।

''आप'' प्रत्याशी को चुनाव से बाहर करने के लिए दिल्ली चुनाव आयोग ने कानून के खिलाफ जाकर आदेश

सुषमा रानी

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा द्वारा किए जा रहे वोट घोटाले पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा धांधली करके और बेईमानी से दिल्ली का चुनाव लड़ना चाहती है। इस मुद्दे पर हम दोपहर तीन बजे मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात करेंगे। भाजपा के कई सांसदों के सरकारी बंगले के पते से 30-40 वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी गई है, जबकि पहले यहां पर 2 से 4 वोट ही थे। अचानक इतने वोट कैसे बढ़ गए? भाजपा के इस वोट घोटाले में स्थानीय डीएम भी शामिल हैं। वह आए आवेदनों को सही बता रहे हैं। इसका मतलब है कि वह भी इन लोगों का वोट बनाने का मन बना चुके हैं। अरविंद केजरीवाल के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और राघव चड्ढा भी चुनाव आयोग से मिलने जाएंगे।

पार्टी मुख्यालय में सोमवार को प्रेसवार्ता कर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज मैं, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और राघव चड्ढा दोपहर तीन बजे चुनाव आयोग से जाकर मिलेंगे। हमारे दो मुद्दे हैं। पहला, पटपड़गंज से हमारे उम्मीदवार अवध कुमार ओझा का वोट ग्रेटर नोएडा में बना हुआ था। उन्होंने दिल्ली में वोट बनवाने के लिए 26 दिसंबर को फॉर्म 6 भरकर आवेदन दिया था। लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं आया। किसी ने उनसे कहा कि क्योंकि उनका ग्रेटर नोएडा में वोट बना हुआ है तो उन्हें वोट ट्रांसफर के लिए फॉर्म 6 नहीं, फॉर्म 8 भरना पड़ेगा। इसलिए उन्होंने 7 जनवरी को फॉर्म 8 भर दिया। कानून के मुताबिक, फॉर्म 8 भरने की 7 जनवरी आखिरी तारीख थी। इलेक्शन कमीशन के मैनुअल यह कहते हैं कि नामांकन की अंतिम तारीख से 10 दिन पहले तक फॉर्म 6, फॉर्म 7, फॉर्म 8 भरे जा सकते हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की निर्वाचन अधिकारी ने एक आदेश निकालकर कहा है कि फॉर्म 8 भरने की 7 जनवरी आखिरी तारीख है। लेकिन रहस्यमय ढंग से एक दिन बाद उन्होंने दोबारा आदेश निकालकर कहा कि 6 जनवरी आखिरी तारीख है। यह दूसरा आदेश क्यों निकाला गया? यह कानून के खिलाफ है। यह चुनाव आयोग की गाइडलाइंस और मैनुअल के खिलाफ है। गाइडलाइंस और मैनुअल यह कहता है कि नामांकन की अंतिम तारीख से 10 दिन पहले तक फॉर्म 8 स्वीकार किए जाएंगे। नामांकन की अंतिम तारीख 17 जनवरी के हिसाब से 10 दिन पहले की तारीख 7 जनवरी है। 7 जनवरी आखिरी तारीख होनी चाहिए। निर्वाचन अधिकारी ने भी आदेश निकाला था कि 7 जनवरी आखिरी तारीख होगी। लेकिन फिर अचानक से ऐसा प्रतीत होता है कि पीठ पीछे कुछ हुआ है। अचानक से यह आदेश आता है कि 7 जनवरी नहीं 6 जनवरी आखिरी तारीख मानी जाएगा। 24 घंटे के अंदर ही आदेश पलट दिया जाता है। क्या यह आदेश जानबूझकर अवध ओझा को चुनाव से बाहर करने के लिए निकाला गया?

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव आयोग का मैनुअल कहता है कि अगर कोई फॉर्म 8 यानि वोट ट्रांसफर कराने की एप्लिकेशन आखिरी तारीख के बाद भी आती है तो चुनाव आयोग उस पर गौर कर सकता है। लेकिन हमारे लिए यह उम्मीदवार के उम्मीदवारी का सवाल है और इसमें किसी भी तरह की कोई गड़बड़ नहीं है। अवध ओझा का वोट ग्रेटर नोएडा से दिल्ली ट्रांसफर होना है। इसलिए आज हम मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलेंगे और उनसे निवेदन करेंगे कि अवध ओझा के वोट को ट्रांसफर कराया जाए ताकि वह अपना नॉमिनेशन फाइल कर सकें।

अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि हमारा दूसरा मुद्दा है कि नई दिल्ली विधानसभा के अंदर भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा, सीपी जोशी, कमलेश पासवान, पंकज चौधरी, जय प्रकाश, रेबती, ज्योतिर्मय महतो समेत कई सांसदों के घर से 30-40 नए वोट बनने के लिए एप्लिकेशन गई हुई हैं। यह बहुत रहस्यमयी है। मुझे एक पत्रकार ने बताया कि उन्होंने स्थानीय डीएम से पूछा कि वह इस मामले पर क्या कर रहे हैं? इस पर डीएम ने जवाब दिया कि सांसद के घर में माली, नौकर भी होते हैं। इसका मतलब है कि स्थानीय डीएम मन बना चुका है कि इस खेल में वह भी शामिल है। प्रवेश वर्मा अपने मौजूदा पते पर 11 साल से रह रहे हैं तो क्या वह 11 साल से वह बिना नौकर, माली और रसोइएं के काम चला रहे थे? उस पते पर तब 3 वोट बने हुए थे। वह 3 वोट से काम चला रहे थे। अब अचानक 15 दिन में उन्हें सारे रसोइएं और माली याद आ गए। यह क्या है? इसमें चुनाव आयोग भी मिला हुआ है। भाजपा भी मिली हुई है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर सांसदों के घरों से 30-40 वोट 10-15 दिन पहले बनने शुरू हो जाएंगे और स्थानीय डीएम उसका जस्टिफिकेशन देगा तो चुनाव की प्रक्रिया में पवित्रता कहां बच गई? फिर चुनाव करवा क्यों रहे हो? घोषित कर दो भाजपा जीत गई और अब देश के अंदर तानाशाही होगी। हम यह किसी भी हालत में नहीं होने देंगे। ये हरियाणा, महाराष्ट्र जैसे मर्जी जीते होंगे लेकिन दिल्ली की जनता भाजपा का यह फर्जीवाड़ा स्वीकार नहीं करेगी। यह भाजपा की धांधली चल रही है। यह दिल्ली के लोग किसी भी हालत में नहीं होने देंगे। अभी हमें समय नहीं मिल पाया है क्योंकि हमने कल रात को ही निवेदन भेजा है। हम चुनाव आयोग के शुक्रगुजार हैं कि जब भी हमने उनसे वक्त मांगा उन्होंने हमें वक्त दिया। यह मामला अति आवश्यक है। अगर तुरंत अवध ओझा के वोट का ट्रांसफर नहीं हुआ तो वह नॉमिनेशन पेपर नहीं भर पाएंगे। अगर इनके साथ स्थानीय डीएम मिला हुआ है और उसने सारे वोट जोड़ दिए तो उन्हें रिजेक्ट कराना मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि अब आखिरी तारीख खत्म हो चुकी है।

बारिश के बाद गाजियाबाद में प्रदूषण घटा, इंदिरापुरम की हवा अभी भी खराब

गाजियाबाद में वायु प्रदूषण में सुधार हुआ है लेकिन अभी भी हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में है। इंदिरापुरम की हवा खराब श्रेणी में बनी हुई है। प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों के बावजूद प्रदूषण का स्तर कम नहीं हो पा रहा है। बारिश के बाद अधिकतम तापमान गिर गया है। ऐसे में सर्दी बढ़ गई है। रविवार को न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गाजियाबाद। वायु प्रदूषण में शनिवार रात हुई वर्षा के बाद रविवार को गिरावट आई है, लेकिन लोगों को अभी भी साफ हवा नहीं मिल सकी। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मध्यम श्रेणी में 186 दर्ज किया गया। वहीं, इंदिरापुरम की हवा खराब श्रेणी में बनी रही। यहां का एक्यूआई 218 दर्ज किया गया।

पिछले करीब तीन माह से प्रदूषण का स्तर हर दूसरे दिन घट-बढ़ रहा है। हवा चलने और वर्षा होने पर प्रदूषण कम हो जाता है। जैसे ही हवा की गति कम होती है प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। लोगों का कहना है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी अपने स्तर से कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

15 अक्टूबर लगा था ग्रेप

यही कारण है कि प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। लोगों का कहना है कि जिले में 15 अक्टूबर को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू किया गया था। इसके बाद से जिले की हवा खराब और बेहद खराब बनी हुई है।

हवा की गति बढ़ने और वर्षा होने से प्रदूषण से राहत मिल जाती है। परिवहन निगम समेत 20 से अधिक विभाग मिलकर भी लोगों को प्रदूषण से राहत नहीं दिला पा रहे हैं। अब एक्यूआई फिर से मध्यम श्रेणी में आ गया है।

जिले के लोगों को जहरीली हवा से थोड़ी राहत मिली है। लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग के अधिकारी प्रदूषण रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। हवा थोड़ी साफ हुई है। ठोस कार्रवाई नहीं की तो हवा फिर से खराब हो जाएगी।

कागजों में बनीं तीन टीमें

प्रदूषण नियंत्रण के लिए कागजों में तीन टीम बनाई गई हैं। टीम के अधिकारियों का काम जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा है। यही कारण है कि हाटस्पाट केवल चिह्नित किए गए हैं। वहां प्रदूषण रोकथाम के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। यहां पर ग्रेप के नियमों का पालन नहीं होने से प्रदूषण को बढ़ाया जा राह है।

एक्यूआई की स्थिति

क्षेत्र	सीपीसीबी	आइक्यू एयर
जिला	186	177
लोनी	188	163
वसुंधरा	197	184
इंदिरापुरम	218	177
संजय नगर	142	162

सर्दी ने ढाया सितम

बारिश के बाद अधिकतम तापमान गिर गया है। ऐसे में सर्दी बढ़ गई है। रविवार को न्यूनतम तापमान नौ और अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि शनिवार न्यूनतम 11 और अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। सोमवार को भी आकाश में बादल छाए रहने का अनुमान है। शनिवार शाम को वर्षा शुरू हो गई और देर रात तक बूंदाबांदी होती रही।

रविवार सुबह से ही बादलों की वजह से धूप नहीं निकली। लोगों को दोपहर में धूप निकलने का इंतजार किया लेकिन एक मिनट के लिए भी सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। देर शाम तक धूप नहीं निकली।

सर्दी से बचने के लिए लोग अलाव में हाथ तापते नजर आए। सर्दी में लोग गर्म कपड़े पहनकर बाहर निकले। दोपहिया वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। 10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चली

कृषि विज्ञानी प्रमोद कुमार ने बताया कि वर्षा से फसल को नुकसान नहीं है। सोमवार को न्यूनतम तापमान आठ और अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वर्षा के बाद नगर निगम ने लोगों के सर्दी से बचने के इंतजाम बढ़ा दिए हैं। गीले अलाव पर नगर निगम ने पूरी तरह रोक लगा दी है। जो लोग खुले में सो रहे हैं उन्हें आश्रय स्थल में पहुंचाया जा रहा है। वहीं गो आश्रय स्थलों में भी गोंवशी को सर्दी से बचाने के इंतजाम किए गए हैं।

प्लास्टिक के थैले बनाने वाली फैक्ट्री में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड की 20 गाड़ियां मौके पर पहुंची

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा के फेस दो थाना क्षेत्र के सेक्टर 80 प्लास्टिक के थैले बनाने वाली फैक्ट्री में सोमवार सुबह आग लग गयी। सूचना पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। फायर ब्रिगेड की 20 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। टीम की ओर से आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। आग से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

ग्रेटर नोएडा। फेस दो थाना क्षेत्र के सेक्टर 80 प्लास्टिक के थैले बनाने वाली फैक्ट्री में सोमवार सुबह आग लग गयी। सूचना पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है।

फायर ब्रिगेड की 20 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। टीम की ओर से आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। आग किस वजह से लगी अभी तक इसका पता नहीं चल पाया है। आग से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

आग से बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल बसेमेंट में आग बुझाने का काम जारी है। फैक्ट्री के अगले और पिछले हिस्से से आग को बुझाया जा रहा है। बसमेंट में आग सुलगी हुई है। जगह बनाने के लिए जेसीबी मशीन को बुलाकर कुछ हिस्सा तोड़ा गया।

b

इससे पहले, रविवार को तड़के बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के दुजाना रोड पर स्थित केमिकल फैक्ट्री में आग लगी थी। आग इतनी भयंकर थी कि आसपास के क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। सूचना 112 नंबर डायल कर पुलिस को देने के साथ दमकल विभाग को दी। सूचना पर दमकल की 32 गाड़ी घटना स्थल पहुंच गई। करीब सात घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

शॉर्ट सर्किट से लगी थी आग

आग शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि दुजाना रोड पर बांके बिहारी नाम से केमिकल फैक्ट्री है। 112 पर रात करीब साढ़े तीन बजे फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस के साथ दमकल की टीम घटना स्थल पहुंच गई। दमकल की 32 गाड़ियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की।

सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। आग की वजह से फैक्ट्री मालिक का करीब 10 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

7 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पाया था काबू

दमकल की गाड़ियां गौतमबुद्ध नगर के साथ गाजियाबाद से भी मंगवाई गई। सात घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग की लपटे उठती देख मची अफरा-तफरी आग रविवार की सुबह तीन बजे के करीब लगी थी।

थोड़ी देर में ही आग ने रौद्र रूप ले लिया। ऊंची लपटे व धुंए का गुब्बार से आसपास रह रहे लोगों में अफरातफरी मच गई। भीषण आग की वजह से कई बार धमाके हुए। काम कर रहे कर्मचारियों ने भागकर अपनी जान बचाई। सुबह करीब 10 बजे आग पर काबू पाया जा सका।

पुलिस ने सूझबूझ से बचाई गोवंशियों की जान

फैक्ट्री के समीप ही डेयरी है। जिस समय आग लगी डेयरी में 25 गोवंशी बंधे थे। बादलपुर कोतवाली प्रभारी अमरेश कुमार ने बताया कि जेसीबी मशीन से चारदीवारी तोड़कर पुलिसकर्मियों ने गोवंशियों को बाहर निकाला।

जिला अस्पताल में तीन चिकित्सकों से बदतमीजी, सुपरवाइजर की सेवा खत्म

नोएडा। सेक्टर-39 के जिला अस्पताल में 9 जनवरी को तीन चिकित्सकों से बदतमीजी के आरोप में सीएमएस ने तीन सदस्यीय कमेटी की रिपोर्ट पर सुपरवाइजर को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। सुपरवाइजर को नोटिस भी जारी हो गया है।

उन्होंने महिला चिकित्सक से बदतमीजी के आरोप को गंभीरता से लेकर जांच के निर्देश दिए थे। अगले दिन कमेटी की रिपोर्ट आने पर कार्रवाई कर सुपरवाइजर की पत्नी को भी आवास आवंटन निरस्त करने की चेतावनी दी है।

लाइन में खड़े होने को लेकर विवाद

जानकारी के अनुसार, 9 जनवरी को जिला अस्पताल में महिलाएं आभा पंजीकरण के लिए खड़ी थीं। तभी एक युवक के बीच कतार में खड़े होने पर विवाद हो गया। महिलाएं और तीमारदारों से विवाद पर डायल-112 की पुलिस ने पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी।

इंटरनल जांच में सामने आई लापरवाही

सीएमएस ने इंटरनल जांच कराई तो स्टाफ के एक सदस्य की लापरवाही सामने आई। अगले दिन पुलिस मामले की जांच के लिए अस्पताल पहुंची तो फिर भी विवाद खड़ा हो गया। आरोप है कि सुपरवाइजर सुरजीत सिंह ने डॉ.राकेश प्रताप, डॉ.शिव चरन और एक महिला चिकित्सक से बदतमीजी कर दी।

अधिकारियों के समझाने पर भी मामला शांत नहीं हुआ। सीएमएस ने तीन सदस्य कमेटी गठित कर जल्द से जल्द रिपोर्ट मांग ली। कमेटी ने अगले दिन सीएमएस को रिपोर्ट जमा कर दी, जिस पर उन्होंने सुपरवाइजर सुरजीत सिंह की सेवा समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए। सुपरवाइजर की पत्नी नर्सिंग ऑफिसर को भी दोबारा ऐसी शिकायत मिलने पर आवास आवंटन निरस्त करने की चेतावनी दी है।

खांसी, जुकाम, बुखार और टीबी मरीजों की हो रही निगरानी

स्वास्थ्य विभाग ने खांसी, जुकाम, बुखार, डायबिटीज, कार्डियोवैस्कुलर रोग, गुर्दे, जिगर की क्रोनिक बीमारी, पांच साल से टीबी समेत अन्य बीमारियों से ग्रस्त मरीजों की निगरानी शुरू कर दी है।

कार्यवाहक सीएमओ डॉ. ललित कुमार के कार्यालय से सीएचसी, पीएचसी, निजी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक की तरफ से जारी गाइडलाइन भेजकर अलर्ट किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग ने गाजियाबाद में 92 वर्षीय मरीज का सैंपल एचएमपीवी जांच के लिए दिल्ली एम्स भेजने के बाद और सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन ने आगामी कुछ सप्ताह तक प्रदेश के विभिन्न जनपदों में तापमान के अधिक न्यून रहने की संभावना रहने पर चिकित्सा ईकाइयों को उपचार व्यवस्था व फील्ड स्तर पर सर्विलांस व्यवस्था बनाने के लिए कहा गया है।

जारी गाइडलाइन में उन्होंने इन्फ्लूएजा को रोकने के लिए लोगों को खांसी ,छींकते समय रूमाल, टिशू पेपर व कोहनी से नाक व मुंह ढकने, खुले स्थान पर थूकने से बचने, भीड़भाड़ वाले स्थान पर जाने से बचने बार-बार हाथ धोने के लिए जागरूक करने के अलावा मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य, सीएमएस, प्रमुख चिकित्सक अधीक्षक को अस्पतालों में आवश्यक तैयारी करने के लिए कहा है।

डमी डायरेक्टर के सहारे चीन-इंडोनेशिया से चल रहा था साइबर ठगी का धंधा, फर्जी कॉल सेंटर से खुले कई राज

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम साइबर पुलिस ने बीते दिनों नोएडा के सेक्टर दो में चलाए जा रहे जिस कॉल सेंटर को पकड़ा। वह एक कंपनी की तरह संचालित किया जा रहा था। साइबर पुलिस की जांच में सामने आया कि इस कंपनी में डमी डायरेक्टर रखे गए थे। इस कॉल सेंटर का सारा कामकाज चीन और इंडोनेशिया में बैठे साइबर ठगों का सिंडिकेट देख रहा था।

गुरुग्राम। गुरुग्राम साइबर पुलिस ने बीते दिनों नोएडा के सेक्टर दो में चलाए जा रहे जिस कॉल सेंटर को पकड़ा। वह एक कंपनी की तरह संचालित किया जा रहा था। साइबर पुलिस की जांच में सामने आया कि इस कंपनी में डमी डायरेक्टर रखे गए थे। इस कॉल सेंटर का सारा कामकाज चीन और इंडोनेशिया में बैठे साइबर ठगों का सिंडिकेट देख रहा था।

डमी डायरेक्टरों के सहारे ही पैसे किसी मरचेंट एप के माध्यम से चीन और इंडोनिशिया के सिंडिकेट को पहुंच रहे थे। पहले भी कई बार यह सामने आया है कि विदेश से संचालित हो रहे ऐसे फर्जी कॉल सेंटरों से मिल रहे पैसे किसी मरचेंट एप से ही विदेश जा रहे हैं।

मरचेंट एप से जुड़े हैं कई खाते

यह एप पेटीएम, फोन-पे या गूगल पे की तरह ही काम करता है। सिंडिकेट के कई खाते इस एप से जुड़े हुए हैं। इसके लिए मरचेंट एप को कमीशन भी दिया जाता है। एप के माध्यम से सिंडिकेट बिटक्वाइन या गिफ्ट कार्ड के जरिए पैसे अपने देश की करेंसी में बदलता है।

कॉल सेंटर से 15 आरोपित हुए थे गिरफ्तार

गुरुग्राम साइबर थाना ईस्ट पुलिस ने एक शिकायत के आधार पर आठ जनवरी की रात नोएडा के सेक्टर दो स्थित एक कॉल सेंटर पर छापेमारी कर 15 आरोपितों को गिरफ्तार किया था। इस सेंटर को नोएडा में चलाने वाले मुख्य आरोपित हरमन और सन्नी से रिमांड के दौरान पूछताछ की गई।

पता चला कि एक कंपनी की तरह इसे संचालित किया जा रहा था। यहां इस्तेमाल हो रहे लैंडलाइन नंबर एक टेलीकाम कंपनी से लिए

गए थे। दो साल पहले टेलीकाम कंपनी से कनेक्शन लेने के दौरान ही हरमन और सन्नी की जान-पहचान हुई थी।

एप से देते थे 60 हजार रुपये तक लोन

नोएडा में यह सेंटर करीब तीन महीनों से संचालित था। चीन और इंडोनेशिया का सिंडिकेट भारत के लोगों को चीनी लोन एप से पांच हजार से लेकर 60 हजार रुपये तक लोन देता था। इसके बाद जबरन उनसे ब्याज के नाम पर अधिक वसूली की जाती थी।

विदेश के ठग सिंडिकेट ने लोन के बाद आसानी से रुपये न मिलने पर रिकवरी के लिए भी अलग से कंपनी बना रखी थी।इसमें डमी डायरेक्टर भी तैनात किए थे। गुरुग्राम साइबर पुलिस जल्द ही इन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ करेगी। इनसे पैसों के लेनदेन के बारे में भी पूछा जाएगा। सूत्रों के अनुसार पता चला है कि इस सेंटर के माध्यम से करीब 400 करोड़ रुपये अब तक चीन और इंडोनेशिया भेजे गए हैं।

क्या मेक अमेरिका ग्रेट अगेन और मेक इन इंडिया के टकराव की संभावना है?

अखंड अमेरिका में नए देशों को जोड़ने की बात हो रही है, जबकि अखंड भारत में भारत से अलग हुए हिस्सों को फिर मिलाने की बात है-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से प्राचीन भारत से लेकर नए भारत तक व अखंड भारत से लेकर आज क़े भारत तक के विचारों सभ्यता संस्कृति विरासत की तारीफ़ दुनियाँ भर में होती रहती है। भारत के वसुधैव कुटुम्बकम का उल्लेख भारतीय उपनिषदों और अन्य प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। इस अवधारणा का मूल यह है कि पृथ्वी पर रहने वाले सभी प्राणी एक परिवार का हिस्सा हैं और हमें सभी के साथ प्रेम और समानता का व्यवहार करना चाहिए। यह सिद्धांत जीवन के सभी पहलुओं पर लागू होता है,चाहे वह व्यक्तिगत हो, पारिवारिक हो, या सामाजिक।परंतु अंग्रेजों की बुरी नज़र भारत पर पड़ी और भारत विखंडित होते चला गया जो आज भी अखंड भारत की ओर प्रयास कर रहा है।परंतु ठीक वैसी ही सोच को 20 जनवरी 2025 को 47 वें राष्ट्रपति की शपथ ग्रहण कर व्हाइट हाउस में प्रवेश करने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हो चली है, उन्होंने अखंड अमेरिका की संकल्पना की है, जिसमें पनामा ग्रीनलैंड कनाडा मैक्सीको का क्षेत्र, हालांकि यह पूरे देश कभी भी अमेरिका क़े हिस्से नहीं रहे, बल्कि स्वतंत्र देश हैं उनको मिलकर ट्रंप एक अखंड अमेरिका की परिकल्पना कर रहे हैं, हालांकि यह संभव होता है या नहीं, जबकि अनेकों वर्षों पूर्व से ही पूर्व राष्ट्रपति भी यह चर्चा कर चुके हैं।ठीक वैसे ही अभी कुछ समय पूर्व ही सरसंचालक ने यह बात कह कर फिर से विषय को चर्चा में लेकर आए थे जबकि अभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अभी 4 दिन पूर्व ही अखंड अमेरिका की वकालत की है। ठीक उसी तरह अब ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन की बात कर रहे हैं जो हमारे, पीएम लंबे समय से मेक इन इंडिया की बात कर रहे हैं।यानें कुल मिलाकर अमेरिका उसी राह की और सोच रहा है जिसपर भारत चल रहा है यानें दोनों देशों के सुप्रीमो के विचार एक ही दिशा में जा रहे हैं यानी गंभीरता से मिल रहे हैं जिसके दुर्गा में सकारात्मक परिणाम दृढ़ संबंधों को बल मिला है परंतु अपने-अपने देश के हितों को देखते हुए अमेरिका ग्रेट अगेन वह भारत के मेक इन इंडिया में टकव की स्थिति भी हो सकती है, जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे।चूँकि क्या अमेरिका भारत की सोच मिल रही है? इस लॉजिक को देखते हुए आज हममीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अखंड अमेरिका बनाम अखंड भारत तथा अखंड अमेरिका में नए देश को जोड़ने की बात हो रही है जबकि अखंड भारत में भारत से ही अलग हुए हिस्सों को पूर्ण मिलने की बात है।

साथियों बात अगर हम 20 जनवरी 2025 को शपथ ग्रहण करने वाले ट्रंप के अखंड अमेरिका के बयान से पूरी दुनियाँ में खलबली की करें तो, राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप अपने नए मिशन पर हैं।मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का नारा देने वाले ट्रंप अब अमेरिका को अखंड अमेरिका बनाने चले हैं,ऐसा वो सिर्फ कह नहीं रहे उनके पास इसके लिए पूरा प्लान तैयार है, जिसकी झलक उन्होंने हाल के बयानों में दिखाई है। ट्रंप ने मंगलवार को अपने ट्रुथ मीडिया पर अमेरिका का एक नया मैप शेयर किया जिसमें उन्होंने कनाडा को अमेरिका का हिस्सा दिखाया।अमेरिका में राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण से पहले डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह के बयान दे रहे हैं, उनसे पूरी दुनिया में हलचल मची है। पहले उन्होंने कनाडा को 51वां अमेरिकी राज्य बनाने की इच्छा जताई, फिर, ग्रीनलैंड व पनामा नहर को हासिल करने की चाहत दिखाई और अब मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने की बात कही है।उन्होंने अपना नौ सूत्री एजेंडा भी पेश किया है, जिसमें अपनी तमाम योजनाओं का जिक्र किया है, हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि ग्रीनलैंड और पनामा नहर को लेकर वह सैन्य कार्रवाई भी करेंगे, तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया, मगर कनाडा और मेक्सिको पर उन्होंने आर्थिक दबाव बनाने की बात जरूर कही, जिससे वैश्विक कूटनीति को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं पनपने लगी हैं, इन सबका शुरुआती संकेत यही है कि ट्रंप अशांति पैदा करने वाली अपनी पुरानी कार्यशैली पर ही विश्वास कर रहे हैं। दुनिया भर में अमेरिका को लेकर जो सहमति रही है, वह उसे भी बदलना चाह रहे हैं। दरअसल, दूसरे विश्व युद्ध के बाद अमेरिकी सत्ता रिपब्लिकन के हाथों में रही हो या डेमोक्रेट के हाथों में, वे यह स्पष्ट रहे हैं कि अपनी विदेश नीति में अमेरिका कभी विस्तारवादी ताकत के रूप में दिखाई न पड़े, मगर डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान अमेरिका की इस छवि के प्रतिकूल दिख रहे हैं।

साथियों ग्रीनलैंड बेशक डेनमार्क का हिस्सा है, लेकिन वहां अमेरिका के कई खुफिया अड्डे हैं, एक अंतरिक्ष इकाई है और बैटरी व हाईटेक उत्पादों के निर्माण में जरूरी खनिज के भंडार हैं। ट्रंप अपने बयानों से अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड की अहमियत बता रहे हैं और यह जता रहे हैं कि रूस और चीन से पहले वहां अमेरिका की पकड़ सुनिश्चित होनी चाहिए।जाहिर है, जैसे-जैसे यह मसला आगे बढ़ेगा, ग्रीनलैंड- डेनमार्क पर ट्रंप को यह संतुष्ट करने का दबाव बढ़ेगा कि वहां हर हाल में अमेरिकी हित सुरक्षित रखे जाएं। रही बात पनामा नहर की, तो ट्रंप को आशंका है कि पनामा का झुकाव चीन की ओर बढ़ रहा है, उनका मानना है कि अमेरिकी जहाजों से यहां तुलनात्मक रूप से ज्यादा फीस ली जा रही है, उसके दो बंदरगाहों का प्रबंधन भी हांगकांग की दो कंपनियों के पास है। चूंकि इस नहर पर पहले अमेरिका का ही नियंत्रण था, जिसे सन-1977 में पनामा के हवाले कर दिया गया, इसलिए डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि यहां हर हाल में अमेरिका का दावा सबसे ऊपर होना चाहिए।इसमें जहां कनाडा और मेक्सिको के साथ उसका आर्थिक मुद्दा जुड़ा है, तो पनामा और ग्रीनलैंड के साथ चीन की प्रतिस्पर्द्धा का मसला, चूंकि ट्रंप का एजेंडा शुरू से 'अमेरिका फर्स्ट', यानी सबसे पहले अमेरिका का रहा है, इसलिए वह बेबाकी से अमेरिकी हितों को तवज्जो देने के दावे कर रहे हैं,इन सबसे अन्य देश जरूर अचंभित हैं, क्योंकि एक महाशक्ति होने के नाते अमेरिका की कभी भी ऐसी विदेश नीति नहीं रही है, इससे आशंका यह जताई जाने लगी है कि ट्रंप के इस दूसरे कार्यकाल में क्या चीन की तरह अमेरिकाभीविस्तारवादी नीतियों का पोषण करेगा?

साथियों बात अगर हम अखंड भारत की करें तो,देश में अखंड भारत को लेकर बहस लंबे समय से होती रही है। नए संसद भवन के अंदर भी अखंड भारत की एक तस्वीर लगी है।इस पर काफी विवाद भी हुआ था।तब विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि संसद में जो लगा है, वो अशोक के साम्राज्य को दिखा रहा है,पर ये अखंड भारत क्या है?अखंड भारत को लेकर तीन तरह के कॉन्सेप्ट हैं:-पहलाः ऐसा भारत जिसमें पाकिस्तान और बांग्लादेश भी हों। दूसराः ऐसा भारत जिसमें पाकिस्तान- बांग्लादेश के अलावा नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान और श्रीलंका भी हों,तीसराः ऐसा भारत जिनमें पाकिस्तान,बांग्लादेश,नेपाल,भूटान, तिब्बत म्यांमार, अफगानिस्तान और श्रीलंका के साथ-साथ कंबोडिया, मलेशिया, वियतनाम और इंडोनेशिया भी हों।कब-कब खंड-खंड हुआ भारत?- पाकिस्तानः 1947 में बंटवारा हुआ,भारत और पाकिस्तान दो अलग-अलग देश बने। बांग्लादेशः पहले पाकिस्तान का हिस्सा था।1971 में बांग्लादेश एक अलग मुल्क बना, नेपालः 1904 में गोरखाओं और अंग्रेजों में एक संधि हुई. इससे नेपाल अलग देश बना।भूटानः ब्रिटेन ने 1907 में भूटान में उग्येन वांगचुक की राजशाही स्थापित कर दी। तिब्बतः 1914 में मैकमोहन लाइन बनी. इससे तिब्बत चीन का हिस्सा बन गया श्रीलंकाः ब्रिटेन का कब्जा था, लेकिन वो अलग देश मानता रहा.1948 में श्रीलंका आजाद हुआम्यांमारः भारत से 10 साल पहले 1937 में ब्रिटेन ने बर्मा (म्यांमार) को आजाद कर दिया- अफगानिस्तानः 1876 में रूस-ब्रिटेन की संधि से ये बफर स्टेट बना. 1919 में आजादी मिली।

साथियों बात अगर हम अखंड भारत से एरिया आबादी अर्थव्यवस्था सांसद के नजरिया से देखे तो,कैसा होगा अखंड भारत?- एरियाः भारत, पाकिस्तान बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार और श्रीलंका अखंड भारत में आते हैं तो देश का कुल क्षेत्रफल 83.97 लाख वर्ग किलोमीटर का होगा. आबादीः मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक, अखंड भारत की आबादी 170 करोड़ से ज्यादा होगी. 55 करोड़ मुस्लिम और 100 करोड़ हिंदू होंगे, मुस्लिम आबादी 32 प्रतिशत और हिंदू 60 प्रतिशत से कम होंगे, अर्थव्यवस्थाः अखंड भारत की जीडीपी 300 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की होगी. सबसे ज्यादा जीडीपी भारत की ही होगी. अभी भारत की जीडीपी 272 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है संसदः ये सभी देश अखंड भारत का हिस्सा बनते हैं तो देश में 3 हजार 283 सांसद होंगे. इनमें सबसे ज्यादा 795 सांसद भारत में होंगे. दूसरे नंबर पर म्यांमार होगा, जहां 664 सांसद होंगे, पर क्या ये मुमकिन है? फिलहाल तो बिल्कुल नहीं,क्योंकि सभी देश आजाद हैं।सबका अपना संविधान है, सबकी अपनी राजनीतिक व्यवस्था है. ये सारे देश फिर से एकजुट होंगे और भारत में मिलेंगे, इसकी गुंजाइश बेहद कम है।

साथियों बात अगर हम मेक अमेरिका ग्रेट अमेरिका व मेक इन इंडिया के टकराव की संभावना की करें तो अमेरिका फर्स्ट' और 'मेक इन इंडिया' का टकराव? ट्रंप का रुख कई मुद्दों पर पहले से कड़ा होगा, जैसे अवैध अप्रवासन पर सख्ती, सभी आयातों पर ऊंचा टैरिफ, और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए आर्थिक सहायता को रोकना, उन्होंने मुस्लिम बहुल देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाने की भी बात कही है।भारत के लिए इसका क्या मतलब है? सबसे पहले, यह समझना जरूरी है कि अमेरिकी नीति-निर्माता हर सुबह भारत के बारे में नहीं सोचते। ट्रंप और पीएम के बीच दोस्ताना संबंध हैं, लेकिन 'अमेरिका फर्स्ट' और 'मेक इन इंडिया' का मिलन थोड़ा टकराव ला सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अखंड अमेरिका बनाम अखंड भारत।क्या मेक अमेरिका ग्रेट अगेन और मेक इन इंडिया के टकराव की संभावना है?अखंड अमेरिका में नए देशों को जोड़ने की बात हो रही है, जबकि अखंड भारत में भारत से अलग हुए हिस्सों को फिर मिलाने की बात है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

गाड़ी में रेडिएटर होता है बेहद जरूरी, लापरवाही करने पर इंजन को होता है नुकसान, किस तरह करें देखभाल

परिवहन विशेष न्यूज

Car Tips वैसे तो गाड़ी में हर पार्ट का महत्वपूर्ण काम होता है। लेकिन इस खबर में हम रेडिएटर की जानकारी दे रहे हैं। किसी भी कार में रेडिएडर क्यों जरूरी होता है और अगर लापरवाही की जाए तो इससे किस तरह इंजन को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है। किन तरीकों से इसकी देखभाल (Radiator Maintenance Tips) की जा सकती है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत सहित दुनियाभर में बड़ी संख्या में कारों का उपयोग किया जाता है। हर रोज करोड़ों की संख्या में कारें सड़कों पर चलती हैं। अगर आप भी अपनी गाड़ी को लंबे समय तक बिना किसी परेशानी उपयोग करना चाहते हैं तो रेडिएटर की सही तरह से देखभाल करना जरूरी हो जाता है। रेडिएटर गाड़ी में क्यों जरूरी होता है और किस तरह से इसकी देखभाल (Vehicle care tips) की जा सकती है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

क्यों जरूरी है रेडिएटर

दुनिया में भले ही प्रदूषण को कम करने के साथ ही कम रनिंग कॉस्ट के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में लोग इंजन वाली कारों का ही उपयोग करते हैं। ICE वाली कारों के लिए रेडिएटर का सही तरह से काम करना काफी जरूरी होता है। ऐसा न करने पर इंजन सीज होने तक का खतरा बढ़ जाता है।

क्या होता है काम

रेडिएटर का मुख्य काम इंजन के तापमान को सामान्य बनाए रखना होता है। जब कार को चलाया जाता है तो इंजन का तापमान लगातार बढ़ता रहता है। तापमान को सामान्य बनाए रखने के लिए ही रेडिएटर और कूलेंट का उपयोग किया जाता है। कूलेंट इंजन में जाकर तापमान को सामान्य रखता है और रेडिएटर का काम गर्म कूलेंट के तापमान को कम करना होता है। जिसके बाद ठंडा कूलेंट फिर से इंजन में जाता है। यह प्रक्रिया लगातार चलती रहती है।

लापरवाही से होता है नुकसान

रेडिएटर एक जालीनुमा पार्ट होता है जिसमें कूलेंट को निकाला जाता है और हवा से इसका तापमान कम किया जाता है। अगर रेडिएटर की देखभाल में लापरवाही बरती जाती है तो यह चोक होने लगता है और अपनी पूरी क्षमता के साथ काम नहीं कर पाता। जिस कारण कूलेंट को ठंडा करने में समय लगता है और इसका असर इंजन पर होता है।

सीज हो सकता है इंजन

लंबे समय तक अगर रेडिएटर की देखभाल न की जाए तो फिर गर्म कूलेंट इंजन में वापस जाता है और इंजन के महत्वपूर्ण पार्ट्स को नुकसान होने लगता है। लगातार ऐसा होने पर इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब होने लगते हैं और एक समय के बाद इंजन सीज होने का खतरा बढ़ जाता है।

कैसे करें देखभाल

रेडिएटर की देखभाल (Radiator maintenance) करना काफी आसान होता है। अच्छी क्वालिटी के कूलेंट का उपयोग करना, रेडिएटर के पैनल्स के बीच समय समय पर सफाई करना, पानी के प्रैशर सहित कई तरीकों से इसे घर पर ही साफ किया जा सकता है। इसके अलावा सर्विस सेंटर पर जाकर रेडिएटर फ्लश भी करवाया जा सकता है, जिससे यह पूरी तरह से साफ हो जाता है और पूरी क्षमता के साथ काम करता है।

ओपीजी गतिशीलता लाएगी डिफाइ 22 इलेक्ट्रिक स्कूटर, 17 जनवरी को होगा लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहनों की बिक्री में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जिसे देखते हुए वाहन निर्माताओं की ओर से कई नए विकल्पों को बाजार में लाया जा रहा है। Auto Expo 2025 के दौरान OPG Mobility की ओर से भी Defy 22 स्कूटर को लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च से पहले क्या जानकारी कंपनी की ओर से दी गई है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में Electric Scooter सेगमेंट में कई तरह के उत्पादों को ऑफर किया जाता है। OPG Mobility (Previously Known as Okaya EV) की ओर से Auto Expo 2025 के दौरान नए स्कूटर के तौर पर Defy 22 को लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च से पहले कंपनी की ओर से टीजर जारी किया गया है। जिसमें स्कूटर की जानकारी मिल रही है। इसमें किस तरह के फीचर्स को दिया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

OPG Mobility लाएगी Defy 22 इलेक्ट्रिक स्कूटर

ओपीजी मोबिलिटी की ओर से भारतीय बाजार में 17 जनवरी 2025 को Auto Expo 2025 के दौरान नए Electric Scooter को लॉन्च (Electric Scooter Launch) किया जाएगा। कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक Defy 22 नाम से नए स्कूटर को एक्सपो के पहले दिन लॉन्च किया जाएगा।

क्या होगी खासियत

जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से इस स्कूटर को भारतीयों की रोजाना की जरुरत को समझते हुए बनाया गया है। इसी के मुताबिक ही स्कूटर में तकनीक और फीचर्स को भी दिया जाएगा। लॉन्च से पहले कंपनी की ओर से एक वीडियो टीजर को भी जारी किया गया है।

क्या मिली जानकारी

कंपनी की ओर से जारी किए गए टीजर में स्कूटर के डिजाइन की झलक देखने को मिल रही है। जिसके साथ ही इसके कुछ फीचर्स भी दिखाए गए हैं। वीडियो के मुताबिक इसका डिजाइन काफी स्लीक और बोल्ड हो सकता है। स्कूटर में फीचर के तौर पर एलईडी लाइट्स के अलावा डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया जाएगा।

अधिकारियों ने कही यह बात

कंपनी के एमडी अंशुल गुप्ता ने बताया कि Ferrato Defy 22 इलेक्ट्रिक स्कूटर को 17 जनवरी को Auto Expo 2025 में लॉन्च किया जाएगा। इस स्कूटर को छात्रों, प्रोफेशनल्स और परिवार के लोगों की रोजाना की जरुरतों को देखते हुए बनाया गया है।

कितनी होगी कीमत

कंपनी की ओर से अभी इसकी कीमतों की जानकारी नहीं दी गई है। लॉन्च के समय ही स्कूटर की सही कीमत की जानकारी दी जाएगी।

कब होगा Auto Expo 2025

देश में 17 से 22 जनवरी के बीच Bharat Mobility 2025 का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत Auto Expo 2025 का आयोजन किया जाएगा। आम जनता के लिए इसे 19 जनवरी से खोला जाएगा और एक्सपो के पहले दिन को मीडिया के लिए रिजर्व रखा गया है और दूसरे दिन इनवाइट के साथ एंट्री ली जा सकती है।

होंडा स्कूटर की ओर से शोकेस की जाएंगी नई बाइक्स और स्कूटर, होंडा एक्टिवा ई और क्यूसी1 पर रहेगी नजर

परिवहन विशेष न्यूज

ऑटो एक्सपो2025 जापानी दो पहिया निर्माता Honda की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से Bharat Mobility 2025 के तहत आयोजित होने वाले Auto Expo 2025 में हिस्सा लिया जाएगा। इस दौरान होंडा की ओर से किन दो पहिया वाहनों को शोकेस किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। जापानी दो पहिया निर्माता Honda Motorcycle and Scooter India (HMSI) की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में स्कूटर और मोटरसाइकिल की बिक्री की जाती है। Bharat Mobility 2025 के तहत आयोजित किए जाने वाले Auto Expo 2025 में कंपनी किन वाहनों को शोकेस कर सकती है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Honda Activa e होगा शोकेस

कंपनी की ओर से होंडा एक्टिवा के इलेक्ट्रिक वर्जन Honda Activa e को Auto Expo 2025 के दौरान शोकेस किया जाएगा। कंपनी ने इस स्कूटर को नवंबर 2024 के दौरान ही औपचारिक तौर पर भारतीय बाजार में पेश किया था। कुछ समय पहले ही स्कूटर के लिए बुकिंग को भी शुरू किया जा चुका है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि ऑटो एक्सपो 2025 के दौरान इस स्कूटर की कीमतों का भी एलान किया जा सकता है।

Honda QC1 पर भी होगी नजर

होंडा की ओर से एक्टिवा के इलेक्ट्रिक वर्जन के साथ ही Honda QC1 को भी फिक्स बैटरी वाले Electric Scooter के तौर पर नवंबर 2024 में पेश किया गया था। जिसके बाद साल 2025 की शुरुआत में इसके लिए भी बुकिंग को लेना शुरू किया जा चुका है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि होंडा अपने दोनों नए स्कूटर्स को ऑटो एक्सपो 2025 में शोकेस करने के साथ ही इनकी कीमतों की भी जानकारी सार्वजनिक कर सकती है।

भविष्य के वाहनों पर भी रहेगी नजर

दोनों इलेक्ट्रिक स्कूटर्स को शोकेस करने के साथ ही कंपनी की ओर से कुछ और वाहनों को भी इस दौरान पेश किया जा सकता है। जिनको भविष्य में लॉन्च किया जा सकता है। इसके साथ ही कंपनी की ओर से Flex Fuel से चलने वाले वाहनों को भी एक्सपो के दौरान दिखाया जाएगा।

क्या होगा नया लॉन्च?

वैसे तो कंपनी की ओर से Honda Activa e और Honda QC1 को कीमतों के साथ Auto Expo 2025 में लॉन्च किया जा सकता है। लेकिन इनके अलावा किसी अन्य दो पहिया वाहन के लॉन्च की उम्मीद कम है। कंपनी की योजना प्रीमियम सेगमेंट में भी कई बाइक्स को लाने की है, ऐसे में यह संभव है कि नई जेनरेशन CB650R, CBR 650R जैसी प्रीमियम बाइक्स को भी इस शो में लाया जाए।

कब से शुरू होगा Auto Expo 2025

इस साल 17 से 22 जनवरी 2025 के बीच Bharat Mobility 2025 का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत ही Auto Expo 2025 का आयोजन होगा। सभी प्रमुख वाहन निर्माताओं की ओर से कार, बाइक्स और स्कूटर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में शोकेस किया जाएगा।

विनफ़ास्ट वी.एफ7 का नया टीजर सोशल मीडिया पर हुआ जारी, मिल रही गाड़ी के फ्रंट लुक और फीचर्स की जानकारी

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में Electric Vehicles की बढ़ती मांग को देखते हुए देश और दुनिया के कई निर्माता अपने उत्पादों को लाने की तैयारी कर रहे हैं। इसी क्रम में वियतनाम की EV निर्माता Vinfast भी भारत आने की तैयारी में है। कंपनी की ओर से जल्द लॉन्च की जाने वाली Electric SUV का नया वीडियो टीजर सोशल मीडिया पर जारी किया है। इसमें किस तरह की जानकारी दी गई है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

जारी हुआ नया टीजर

Vinfast की ओर से जल्द ही नई गाड़ी को भारत में लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। कंपनी की ओर से नई इलेक्ट्रिक एसयूवी के लॉन्च से पहले सोशल मीडिया पर नया वीडियो टीजर (Vinfast VF7 teaser release) जारी किया गया है। इस टीजर में गाड़ी के फ्रंट लुक्स के साथ ही कुछ फीचर्स की जानकारी भी सामने आई है।

क्या मिली जानकारी

सोशल मीडिया पर जारी किए गए नए वीडियो टीजर में गाड़ी के फ्रंट लुक की झलक दिखाई दे रही है। इसके साथ ही यह भी दिखाई दे रहा है कि इसमें बड़ी एलईडी डीआरएल को दिया जाएगा। नीचे की ओर से एलईडी प्रोजेक्टर लाइट्स होंगी। गाड़ी के फ्रंट लुक (Front look of Vinfast VF7) की बात करें तो टीजर के मुताबिक यह काफी स्लीक और बोल्ड डिजाइन के साथ आएगी। इसमें ड्यूल टोन स्कीम को दिया जाएगा।

किन कारों को लॉन्च करेगी कंपनी

कंपनी की ओर से पहले ही जानकारी दे दी गई थी कि वह भारत में अपने सफर को दो Electric SUVs के साथ शुरू करेगी। इनमें फाइव सीटर Vinfast VF7 और सात सीटों वाली Vinfast VF9 एसयूवी शामिल होंगी। जिनमें कई बेहतरीन फीचर्स और दमदार रेंज को ऑफर किया जाएगा।

कैसे होंगे फीचर्स

कंपनी की ओर से लॉन्च के समय ही पूरी जानकारी दी जाएगी। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इनमें एलईडी लाइट्स, एलईडी डीआरएल के अलावा एलईडी टेल लाइट्स, फ्लश डोर हैंडल, 20 से 21 इंच के बीच अलॉय व्हील्स, 360 डिग्री कैमरा, ड्यूल टोन एक्सटीरियर के साथ इंटीरियर, एंबिएंट लाइट्स, पैनोरमिक सनरूफ, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 12 से 15 इंच के बीच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, वेंटिलेटिड सीट्स, स्मार्ट की, ड्राइविंग के लिए कई मोड्स, प्रीमियम इंटीरियर के साथ ही कई बेहतरीन फीचर्स (Vinfast VF7 features) और सेफ्टी फीचर्स को दिया जा सकता है।

ऑटो एक्सपो 2025 में हीरो मोटोकॉर्प करेगी कई नए स्कूटर और मोटरसाइकिल को पेश, दो वाहन हो सकते हैं लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

ऑटो एक्सपो 2025 भारत की प्रमुख दो पहिया वाहन निर्माता Hero Motocorp की ओर से कई सेगमेंट में Scooters and Motorcycle की बिक्री की जाती है। लेकिन कंपनी Bharat Mobility 2025 के तहत आयोजित होने वाले Auto Expo 2025 में कई नए वाहनों को पेश कर सकती है। इसके साथ ही दो वाहनों को लॉन्च भी किया जा सकता है। ये वाहन कौन से हो सकते हैं।

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख दो पहिया वाहन निर्माताओं में शामिल Hero Motocorp की ओर से Auto Expo 2025 में हिस्सा लेने की तैयारी की जा रही है। कंपनी की ओर से इस दौरान कई दो पहिया वाहनों को पेश किया जा सकता है। साथ ही कितने वाहनों को लॉन्च करने की तैयारी कंपनी की ओर से की जा रही है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Hero Xoom 160R

Hero Motocorp की ओर से Auto Expo 2025 के दौरान Hero Xoom 160R स्कूटर को लॉन्च किया जा सकता है। कंपनी की ओर से अभी आधिकारिक तौर पर इसकी जानकारी नहीं दी गई है लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसे ऑटो एक्सपो 2025 में लॉन्च किया जाएगा। इस स्कूटर को EICMA 2023 में शोकेस किया जा चुका है, जिसे करीब 1.50 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत के आस-पास लाया जा सकता है।

Hero Xpulse 210

हीरो की ओर से नई Xpulse 210 को भी ऑटो एक्सपो 2025 में लाया जा सकता है। इसमें 210 सीसी की क्षमता का DOHC लिक्विड कूल्ड इंजन दिया गया है जिससे इसे 24.5 बीएचपी की पावर और 20.4 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। बाइक में आगे 210 एमएम और पीछे की ओर 205 एमएम के सस्पेंशन के साथ स्विचेबल एबीएस मोड्स 6स्पीड गियरबॉक्स, स्लिपर और असिस्ट क्लच, 220 एमएम की ग्राउंड क्लियरेंस, 4.2 इंच टीएफटी स्पीडोमीटर जैसे कई फीचर्स दिए गए हैं। इसकी संभावित एक्स शोरूम कीमत 1.50 लाख रुपये के आस-पास हो सकती है।

Hero Karizma XMR 250

हीरो की ओर से भारतीय बाजार में Karizma XMR को ऑफर किया जाता है लेकिन अब इसमें ज्यादा बड़ा इंजन देकर पेश किया गया है। इसमें 250 सीसी की क्षमता का DOHC 4V लिक्विड कूल्ड इंजन दिया गया है। जिससे बाइक को 30 पीएस की पावर और 25 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। साथ ही रेसिंग बाइक्स से प्रेरित विंगलेट्स के साथ इसे बेहतर करने की कोशिश की गई है। बाइक में 6स्टेप एडजस्टेबल मोनोशॉक सस्पेंशन दिए गए हैं। स्विचेबल एबीएस मोड्स के साथ राइड को बेहतर बनाया गया है। बाइक में एलइडी लाइट्स, एलईडी डीआरएल सहित कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया गया है।

Hero Xtreme 250

हीरो की ओर से 250 सीसी सेगमेंट में नेकेड बाइक के तौर पर Hero Xtreme 250 को भी EICMA 2024 में पेश किया गया है। इसमें 250 सीसी की क्षमता का DOHC 4वॉल्व इंजन दिया गया है। जिससे बाइक को 30 पीएस की पावर और 25 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। बाइक में यूएसडी फ्रंट सस्पेंशन के साथ रियर में 6स्टेप एडजस्टेबल मोनोशॉक सस्पेंशन दिए गए हैं। बाइक में स्विचेबल एबीएस मोड्स, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट, एलईडी डीआरएल, लैप टाइमर और ड्रैग टाइमर के साथ टीबीटी नेविगेशन और म्यूजिक कंट्रोल जैसे कई फीचर्स दिए गए हैं।

Hero Vida Z

हीरो मोटोकॉर्प की ओर से Electric Scooter सेगमेंट में Vida को ऑफर किया जाता है। Auto Expo 2025 के दौरान Vida के तहत कंपनी की ओर से Z स्कूटर को भी लॉन्च किया जा सकता है। जिसे V2 से प्रेरित होकर बनाया गया है। लेकिन इसे V2 से कम कीमत पर ऑफर किया जा सकता है।

विजय गर्ग

शीत लहर और प्रदूषण के पीछे का विज्ञान

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भविष्यवाणी की है कि नए साल में मौसम इसी तरह का बना रहेगा, घने कोहरे और कोहरे से दृश्यता कम हो जाएगी और यात्रा प्रभावित होगी। उत्तरी भागों में भारी बर्फबारी हुई है। आईएमडी ने पीला अलर्ट जारी किया और यात्रियों को सड़क, रेल और हवाई परिवहन व्यवधानों के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी। उत्तर भारतीय मैदानी इलाकों में शीतकालीन बारिश पश्चिमी विक्षोभ के कारण होती है, जो भूमध्य सागर में बनी निम्न दबाव प्रणाली से उत्पन्न होती है और फिर पूरे देश में पूर्व की ओर बढ़ती है। भारतीय उपमहाद्वीप में, हिमालय इन विक्षोभों को रोकता है, जिससे उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में बड़े पैमाने पर बारिश होती है और हिमालय के पश्चिम में बर्फबारी होती है। इसके अलावा, भारत में प्रचलित पूर्वोत्तर व्यापारिक हवाएँ प्रायद्वीप सहित अधिकांश क्षेत्रों में शुष्क मौसम लाती हैं, जो समुद्र के मध्यम प्रभाव के कारण कम परिभाषित ठंड के मौसम का अनुभव करता है। इसी समय, लौटते हुए मानसून के कारण तमिलनाडु तट पर वर्षा होती है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने कहा है कि वैश्विक औसत तापमान के आधार पर 2024 रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष था। इसने 2023 में दर्ज किए गए पूर्व-औद्योगिक तापमान से 1.45 डिग्री सेल्सियस की औसत वृद्धि को पार कर लिया है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) भी 1 जनवरी 2025 को एक रिपोर्ट लेकर आया कि 1901 के बाद से 2024 सबसे गर्म वर्ष था, जिसने भारतीय रिकॉर्ड 2016 को तोड़ दिया। 11 डिग्री सेल्सियस से. नवंबर और दिसंबर के दौरान समुद्र की सतह का तापमान अपेक्षाकृत अधिक बढ़ गया है। समुद्र की सतह पर गर्म और नम हवा इसके ऊपर चलती है, जिससे इसके पास कम हवा रह जाती है और इस प्रकार कम दबाव का क्षेत्र बनता है। आसपास के क्षेत्र में उच्च दबाव वाली हवा पहले से विकसित निम्न दबाव को अंदर धकेल देती है, और नई हवा भी गर्म और नम हो जाती है और ऊपर उठ जाती है। जब तक गर्म हवा ऊपर उठती रहती है, आसपास की हवा उसकी जगह लेने के लिए घूमती रहती है। गर्म और नम हवा ऊपर उठती है और ठंडी हो जाती है और बादलों का निर्माण होता है। समुद्र से उत्पन्न होने वाले तूफान भूमि और समुद्र पर हिंसक वायुमंडलीय गड़बड़ी के कारण होने वाली प्राकृतिक घटनाएं हैं। इनका निर्माण तब होता है जब निम्न दबाव का केंद्र उनके चारों ओर उच्च दबाव प्रणाली के साथ विकसित होता है। ये तूफ़ान उत्तरी गोलार्ध में और कर्क रेखा के दक्षिण में 50 और 300 उत्तरी अक्षांशों के बीच विकसित होते हैं। यदि हवा का वेग 60 किमी प्रति घंटे से कम है, तो तूफान एक उष्णकटिबंधीय अवसाद है; यदि यह 60 से 120 किमी प्रति घंटे के बीच है, तो यह एक उष्णकटिबंधीय तूफान है; और यदि यह 120 किमी प्रति घंटे से अधिक है, तो यह एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात है। पश्चिमी विक्षोभ कम दबाव वाली प्रणालियाँ हैं जो पूरे पाकिस्तान और उत्तर-पश्चिम भारत में मानसून सर्दियों के मौसम में बर्फ और बारिश लाती हैं, जो क्षेत्र में वार्षिक वर्षा में 5 से 10 प्रतिशत का योगदान देती हैं। वे मौसम में उगाई जाने वाली गेहूं की फसल के लिए सहायक होते हैं। कर्क रेखा के दक्षिण में उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में आने वाले चक्रवाती तूफानों के विपरीत, पश्चिमी विक्षोभ मध्य अक्षांश क्षेत्र और कर्क रेखा के उत्तर में विकसित होते हैं। ये पश्चिम से पूर्व की ओर पश्चिमी हवाओं में अंतर्निहित निम्न दबाव प्रणाली हैं। भूमध्य सागर पर बना निम्न दबाव ईरान, इराक, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर गुजरता है और भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में प्रवेश करता है। ये विक्षोभ अंततः हिमालय के सामने आते हैं और अवरुद्ध हो जाते हैं, जिससे नमी फंस जाती है और बारिश और बर्फबारी होती है। प्रदूषण को कम करना? पश्चिमी विक्षोभ के आने के बाद से यह क्षेत्र कोहरे, भारी बारिश, बूंदाबांदी और निचले बादलों के चक्र में बंद हो गया है। पश्चिमी विक्षोभ के आने से पहले दिल्ली एन.सी.आरयह क्षेत्र कई मानवजनित गतिविधियों के कारण प्रतिवर्ष गंभीर प्रदूषण से जूझता है। नवंबर और दिसंबर के दौरान, जब ऊर्ध्वाधर वायु परिसंचरण बंद हो जाता है, तो क्षेत्र में पीएम 2.5 की उच्च सांद्रता दर्ज की जाती है, जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) निम्न और गंभीर श्रेणी में दर्ज होता है। उच्च प्रदूषण के प्रमुख कारण परिवहन क्षेत्र, औद्योगिक उत्सर्जन, बायोमास जलाना, सड़क की धूल, आवासीय उत्सर्जन, ईंट भट्टे और दिल्ली के आसपास के राज्यों में पराली जलाना रहे हैं। जब तक शुष्क सर्दी रहती है, तब तक क्षेत्र में प्रदूषण मनुष्यों, विशेषकर बच्चों और बूढ़ों के स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है। फिलहाल मौसम के मिजाज से प्रदूषण से बड़ी राहत मिली है। AQI में सुधार हुआ है, और स्कूलों, निर्माण कार्यों, वाहनों की आवाजाही आदि जैसी गतिविधियों के निलंबन में ढील दी गई है। सरकारी क्षेत्र के योजनाकारों और नीति-निर्माताओं को बादल फटने पर सिर खुजलाना नहीं पड़ेगा। आईएमडी ने पहले ही जनवरी 2025 में सामान्य बारिश की तुलना में थोड़ी अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है, खासकर उत्तर भारत में; इस प्रकार, शीत लहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है। शीत-लहर की स्थिति की तुलना में प्रदूषण एक अधिक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य खतरा है। दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण का वार्षिक चक्र एक बड़ी चिंता का विषय है, और अधिकारी कोई व्यावहारिक समाधान ढूंढने में विफल रहे हैं। एकमात्र व्यवहार्य समाधान चरणबद्ध तरीके से जीवाश्म ईंधन जलाने को बंद करना और पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर निर्भर होना है।

बढ़ती उम्र में में सर्दी से सुरक्षा

विजय गर्ग

उम्र बढ़ने लगती है, तो सर्दी का अहसास भी अधिक होने लगता है। इसलिए कि बुढ़ापे में अक्सर रक्त प्रवाह कमजोर पड़ जाता है। शरीर की ऊष्मा मंद पड़ जाती है। इसलिए सर्दी का मौसम बुजुर्ग लोगों के लिए कठिन साबित होता है। इस उम्र में रक्त के थक्के जमने अचानक शरीर का ताप गिरने से लकवा मार जाने की आशंका रहती है। ऐसे में खासकर बुजुर्ग लोगों को सर्दी में अधिक सावधान रहने की जरूरत होती है। कुछ एहतियाती उपाय कर लें, तो सर्दी के प्रकोप से बचना आसान हो जाता है।

गर्म कपड़े

इस मौसम में साठ से ऊपर आयु के लोगों को गर्म कपड़े से हर समय शरीर को ढक कर रखना चाहिए। पांवों में गर्म जुराबें और हाथों में दस्ताने जरूर पहनें। सिर पर टोपी और गले में मफलर जरूर लपेट कर रखें। शरीर के तापमान का हमेशा ध्यान रखें। अगर ठंड अधिक हो तो कंबल के साथ रजाई भी जोड़ लें। गर्म पानी सर्दी के मौसम में कमरे के तापमान पर रखा पानी भी काफी ठंडा हो जाता। ठंडा पानी पीने से बुजुर्ग लोगों के शरीर का तापमान एकदम से नीचे गिरता है, जो कि उनकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए इस मौसम में हमेशा पानी गुनगुना ही पीना चाहिए। अगर पानी में थोड़ा केसर डाल कर रख लें और जब भी पीना हो, वही पानी पीएं, तो शरीर की ऊष्मा बनी रहती है। अगर केसर न हो, तो गुनगुने पानी में थोड़ा अजवाइन, जीरा और सौंफ या दालचीनी का एक टुकड़ा डाल कर रख लें। इससे भी शरीर में गर्मी बनी रहता है।

रात को सावधानी बरतें

बढ़ती उम्र में कई लोगों को मूत्र रोग की परेशानी बढ़ जाती है। जिन लोगों को मधुमेह है, उन्हें कई बार शौचालय जाना पड़ता है। ऐसे में कई लोग रात को नींद से उठ कर शौचालय जाते हैं। यह वक्त बहुत सावधानी बरतने का होता है। अक्सर जब आप रजाई में सो रहे होते हैं और अचानक उससे उठ कर नंगे पांव ठंडे फर्श पर रखते हैं, तो ठंड लगने का खतरा रहता है। दूसरे, जब मूत्र त्याग करते हैं, तो शरीर का तापमान एकदम से गिरता है। इस तरह गरम शरीर को एकदम से ठंड का झटका लगता है और कई लोगों को लकवा मार जाने का खतरा रहता है। ऐसे में बिना चप्पल पहने शौचालय न जाएं। दूसरे, रजाई से निकलने के बाद कुछ देर इंतजार करें, फिर जाएं। रजाई से निकलने के बाद सिर पर टोपी और बदन पर चादर जरूर लपेट लें।

हीटर से परहेज

कई बुजुर्ग ठंड बढ़ने पर हीटर का उपयोग करते हैं। दरअसल, उनसे ठंड सहन नहीं होती। मगर हीटर का उपयोग कई तरह से हानिकारक है। एक तो, कमरे में कार्बन मोनो आक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है, दूसरे शरीर का प्राकृतिक चक्र बिगड़ता है। इसलिए जहां तक हो सके गर्म कपड़ों और शरीर में गर्मी पैदा करने वाले खानपान के जरिए शरीर की ऊष्मा बनाए रखने का प्रयास करें। अगर किसी वजह से हीटर का इस्तेमाल करना ही पड़े, तो बगल में एक बाल्टी पानी भर कर जरूर रख लें, ताकि कमरे में जरूरी वाष्पन होता रहे और आक्सीजन की मात्रा ठीक बनी रहे। नहीं, तो सांस तकलीफ भी शुरू हो सकती है।

संयम का सौंदर्य

विजय गर्ग

जिसे हम मनोविज्ञान की भाषा में 'इगो' कहते हैं, उसे अहं के रूप में जाना जाता है। आज इसके दायरे का विस्तार इस कदर हो रहा है कि हमारे घर- परिवार तक इसकी समस्या से पीड़ित हो रहे हैं। राष्ट्राध्यक्षों के बीच अहं के टकराव के मामलों से पूरा जगत परिचित है, जिसके कारण भीषण युद्धों की मार आम जनता को सहनी पड़ती है। दरअसल, अहं रहित जीवन का उद्देश्य व्यक्ति को सामंजस्यपूर्ण जीवन जीना सिखाना है, ताकि वह पारिवारिक और सामाजिक रूप से उपयोगी बन सके। फ्रायड ने इस दिशा में बहुत काम किया है और वे इसे 'इड, इगो, सुपर इगो' में बांटते हैं। उनका कहना है कि सुपर इगो नैतिकता और समाज के नियमों से संचालित कार्य करने में मदद देती है। जबकि अहंकार की मात्रा अधिक बढ़ जाए तो मनुष्य का विनाश निश्चित है। 'मैं' की यह भावना जहां हमारे सामाजिक मेल-मिलाप में बाधक है, वहीं हमें ईर्ष्यावान और हठी भी बनाती है। व्यक्ति दूसरों के विचार सुनना बंद कर देता है, उसे अहंकार के चलते हर व्यक्ति अपना प्रतिस्पर्धी लगता है जो कई तरह के मनोरोगों को जन्म देता है।

गीता में श्रीकृष्ण ने सब कुछ त्याग कर कर्म यानी कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है, क्योंकि फल की इच्छा व्यक्ति को स्वार्थी और अनाचारी बनाती है। अहंकार संघर्ष का कारण भी बनता है। इतिहास के कई उदाहरण अहंकार के विगलन पर जोर देते हैं। भक्त कवियों ने ईश्वर प्राप्ति के मार्ग मे अहंकार को ही सबसे बड़ी बाधा बताया है। कबीर साफ लिखते हैं- 'जब मैं था तब हरि नाहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं.. !' मशहूर शायर बशीर बद्र ने भी कहा है कि ' शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा है, जिस डाल पर बैठे हैं वो टूट भी सकती है।' मगर आज के युग में शोहरत और पद के अहंकार में चाहे खिलाड़ी हो या फिल्म स्टार या राजनेता, दुर्व्यवहार करने से बाज नहीं आते।

अहं को रोकने के लिए जहां व्यवहार में आत्मसंयम चाहिए, वहीं योग और ध्यान जैसे उपाय भी उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। हम घरों में देखते हैं कि एकल परिवार होने के कारण पति -पत्नी का अहं किसी भी मुद्दे पर टकरा जाता है और वहां कोई सास-ससुर या मां-बाप जैसी इकाई नहीं होती जो समझाइश कर सके। नतीजतन, तेजी से परिवार टूट रहे हैं। हालांकि इसके पीछे कई अन्य कारण हो सकते हैं, लेकिन दिनोंदिन तलाक के मामले अदालतों में बढ़ रहे हैं।

अहं का यह टकराव बच्चों पर भी विपरीत असर डालता है और वे विघटित व्यक्तित्व के साथ कई मनोविकार लेकर जन्म लेते हैं। इसके कारण न केवल मानसिक शांति भंग होती है, बल्कि तनाव भी बढ़ता है, जिससे कई रोग कालांतर में जन्म ले सकते हैं। आज झूठे सम्मान के नाम पर हत्या के मामले देखने में आ रहे हैं। गांव में आज भी दलित जातियों से आने वाले दूल्हों को घोड़ी से उतार दिए जाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। ये सब हमारी झूठी जातिगत श्रेष्ठता के अहंकार के चलते ही हो रहा है।

महिलाओं की कार्यक्षमता को कम आंकना, उनके साथ दुर्व्यवहार करना या छेड़खानी की घटनाएं होना सिर्फ पुरुषगत श्रेष्ठता की भावना के चलते ही हो रहा है। यह अहंकार ही समाज को विघटित कर रहा है और कई नई समस्याओं को जन्म दे रहा है। अहंकार से कार्य क्षमता भी प्रभावित होती है। हम व्यावसायिक और व्यक्तिगत निर्णय सही समय पर नहीं ले पाते। हमारे निर्णय परस्पर ईर्ष्या- द्वेष भाव और प्रतिशोध भावना पर टिके होते हैं और बहुधा गलत साबित होते हैं। फलस्वरूप कई कुंठाएं जन्म ले लेती हैं आगे चलकर। व्यक्ति स्वयं से असंतुष्ट अनुभव करता है और उसका आत्मसंघर्ष शुरू हो जाता है।

अहंकार के चलते हम दूसरों के सुझाव और विचारों पर ध्यान देना बंद कर देते हैं। एक प्रकार की श्रेष्ठता की ग्रंथि हमारे कान और आंख बंद कर देती है। हमारे 'टीम वर्क' में बाधा उत्पन्न होने लगती है। हमें सबका सहयोग मिलना बंद हो जाता है। इससे न केवल अवसरों का नुकसान होता है, बल्कि समाज में हमारी स्वीकृति भी कम हो जाती है। हमें एक अहंकारी व्यक्ति मान कर लोग हमसे कन्नी काटना शुरू कर देते हैं। हमारे सामने अपने मन की बात कहने में मित्रगण और मातहत कर्मचारी भी हिचकने लगते हैं। फिर हम वास्तविकताओं से परिचित नहीं हो पाते और केवल झूठे लोगों से घिर जाते हैं। भविष्य में इससे हमारी कार्यक्षमता प्रभावित होती है और हमारा विकास भी अवरुद्ध हो जाता है। इस सबसे बचने और व्यक्तित्व की इस कमजोरी को दूर करने के लिए जरूरी है कि हम अपनी कमजोरियों पर विजय प्राप्त करें, सहयोगी और संयमी बनें। आत्म साक्षात्कार करें और स्वयं पर विजय प्राप्त करें, क्योंकि एक अहंकारी व्यक्ति न केवल समाज को अपना योगदान नहीं दे पाता, बल्कि हिटलर की तरह पूरी दुनिया को दूसरे विश्व युद्ध में धकेल देता है। इसलिए अपने अहं या अहंकार की पोटली को नेपथ्य में रख देने की जरूरत है, क्योंकि उसका बोझ उठाते हुए जीवन यात्रा दुर्गम और कठिन हो जाएगी, सरल और सुखी नहीं

एमबीबीएस से परे

विजय गर्ग

यदि आप विज्ञान के छात्र हैं और इस वर्ष नीट युजी परीक्षा देने से चूक गए हैं, तो चिंता न करें। पारंपरिक बैचलर ऑफ मेडिसिन और बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) के अलावा कई अन्य मेडिकल पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। नीट युजी 2025: भारत और विदेश के 499 शहरों में इस परीक्षा के लिए 25 लाख से अधिक उम्मीदवार उपस्थित हुए (प्रतिनिधि छवि) राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने मई, 2025 को अंडरग्रेजुएट्स के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी-यूजी) 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह अत्यधिक प्रतिस्पर्धी मेडिकल परीक्षा 3 घंटे और 20 मिनट की अवधि के लिए आयोजित की गई थी। भारत और विदेश के 499 शहरों में इस परीक्षा के लिए 25 लाख से अधिक उम्मीदवार उपस्थित हुए। नीट युजी 2025 मेडिकल, डेंटल, आयुष, बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस (बीवीएससी), और एनिमल हसबैंड्री (एएच) कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रम करने के इच्छुक छात्रों के लिए एक आवश्यक प्रवेश द्वार है। उम्मीदवार जल्द ही नीट युजी 2025 उत्तर कुंजी जारी होने की उम्मीद कर सकते हैं, जिसके बाद परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था द्वारा अंतिम परिणाम घोषित किए जाएंगे। यदि आप विज्ञान के छात्र हैं और इस वर्ष नीट युजी चूक गए हैं, तो चिंता न करें। पारंपरिक बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) के अलावा कई अन्य मेडिकल पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। यहां कुछ शीर्ष विकल्प दिए गए हैं जिन पर आप चिकित्सा क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए विचार कर सकते हैं: बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) - यह 5 साल का स्नातक पाठ्यक्रम है जो दंत चिकित्सा पर केंद्रित है। पाठ्यक्रम में मौखिक शरीर रचना विज्ञान, मौखिक ऊतक विज्ञान, दंत सामग्री, पेरियोडोंटिक्स, ऑर्थोडॉन्टिक्स, प्रोस्थोडॉन्टिक्स और बहुत कुछ का अध्ययन शामिल है। बीडीएस पूरा करने के बाद, आप या तो दंत चिकित्सक के रूप में अभ्यास कर सकते हैं या दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। बैचलर ऑफ फार्मेसी (बीफार्मा) - बीफार्मा फार्मास्यूटिकल्स पर केंद्रित है। 4 साल के स्नातक पाठ्यक्रम में फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान, फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिक्स, फार्माकोग्नॉसी और बहुत कुछ का अध्ययन शामिल है। बीफार्मा पूरा करने के बाद, एक उम्मीदवार फार्मेसियों, अस्पतालों या फार्मास्युटिकल उद्योग में फार्मासिस्ट के रूप में काम कर सकता है। बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी) - यह 4 साल का स्नातक कार्यक्रम है जो पूरी तरह से भौतिक चिकित्सा के अध्ययन पर केंद्रित है। बीपीटी में शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान, बायोमैकेनिक्स, काइन्सियोलॉजी और बहुत कुछ का अध्ययन शामिल है। उम्मीदवार बीपीटी पूरा करने के बाद अस्पतालों, पुनर्वास केंद्रों या खेल संगठनों में फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में काम कर सकते हैं। बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस) - बीएएमएस 5 साल का स्नातक पाठ्यक्रम है जो आयुर्वेदिक चिकित्सा पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम में आयुर्वेदिक सिद्धांतों, शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान, फार्माकोलॉजी आदि का अध्ययन शामिल है। जो लोग बीएएमएस पूरा करते हैं - वे आयुर्वेदिक चिकित्सकों के रूप में काम कर सकते हैं या आयुर्वेद के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएचएमएस) - यह एक कार्यक्रम है जो होम्योपैथिक चिकित्सा पर केंद्रित है। 5-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में होम्योपैथिक सिद्धांतों, मटेरिया मेडिका, रिपर्टरी आदि का अध्ययन शामिल है। बीएचएमएस पूरा करने के बाद, एक छात्र होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में काम कर सकता है या होम्योपैथी के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है। बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी (बीयूएमएस) - बीयूएमएस 5 साल का स्नातक पाठ्यक्रम है जो यूनानी चिकित्सा पर जोर देता है। कार्यक्रम में यूनानी सिद्धांतों, शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान, फार्माकोलॉजी आदि का अध्ययन शामिल है। बीयूएमएस पूरा करने के बाद, उम्मीदवार यूनानी चिकित्सक के रूप में काम कर सकते हैं या यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज (बीएनवाईएस) - बीएनवाईएस एक है5.5-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम जो पारंपरिक चिकित्सा को योग और प्राकृतिक उपचारों के साथ जोड़ता है। कार्यक्रम में प्राकृतिक चिकित्सा, योग, पोषण, शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान आदि का अध्ययन शामिल है। बीएनवाईएस पूरा करने के बाद, एक उम्मीदवार प्राकृतिक चिकित्सक के रूप में काम कर सकता है या प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है।

एमबीबीएस से परे

विजय गर्ग

यदि आप विज्ञान के छात्र हैं और इस वर्ष नीट युजी परीक्षा देने से चूक गए हैं, तो चिंता न करें। पारंपरिक बैचलर ऑफ मेडिसिन और बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) के अलावा कई अन्य मेडिकल पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। नीट युजी 2025: भारत और विदेश के 499 शहरों में इस परीक्षा के लिए 25 लाख से अधिक उम्मीदवार उपस्थित हुए (प्रतिनिधि छवि) राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने मई, 2025 को अंडरग्रेजुएट्स के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी-यूजी) 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह अत्यधिक प्रतिस्पर्धी मेडिकल परीक्षा 3 घंटे और 20 मिनट की अवधि के लिए आयोजित की गई थी। भारत और विदेश के 499 शहरों में इस परीक्षा के लिए 25 लाख से अधिक उम्मीदवार उपस्थित हुए। नीट युजी 2025 मेडिकल, डेंटल, आयुष, बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस (बीवीएससी), और एनिमल हसबैंड्री (एएच) कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रम करने के इच्छुक छात्रों के लिए एक आवश्यक प्रवेश द्वार है। उम्मीदवार जल्द ही नीट युजी 2025 उत्तर कुंजी जारी होने की उम्मीद कर सकते हैं, जिसके बाद परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था द्वारा अंतिम परिणाम घोषित किए जाएंगे। यदि आप विज्ञान के छात्र हैं और इस वर्ष नीट युजी चूक गए हैं, तो चिंता न करें। पारंपरिक बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) के अलावा कई अन्य मेडिकल पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। यहां कुछ शीर्ष विकल्प दिए गए हैं जिन पर आप चिकित्सा क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए विचार कर सकते हैं: बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) - यह 5 साल का स्नातक पाठ्यक्रम है जो दंत चिकित्सा पर केंद्रित है। पाठ्यक्रम में मौखिक शरीर रचना विज्ञान, मौखिक ऊतक विज्ञान, दंत सामग्री, पेरियोडोंटिक्स, ऑर्थोडॉन्टिक्स, प्रोस्थोडॉन्टिक्स और बहुत कुछ का अध्ययन शामिल है। बीडीएस पूरा करने के बाद, आप या तो दंत चिकित्सक के रूप में अभ्यास कर सकते हैं या दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। बैचलर ऑफ फार्मेसी (बीफार्मा) - बीफार्मा फार्मास्यूटिकल्स पर केंद्रित है। 4 साल के स्नातक पाठ्यक्रम में फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान, फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिक्स, फार्माकोग्नॉसी और बहुत कुछ का अध्ययन शामिल है। बीफार्मा पूरा करने के बाद, एक उम्मीदवार फार्मेसियों, अस्पतालों या फार्मास्युटिकल उद्योग में फार्मासिस्ट के रूप में काम कर सकता है। बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी) - यह 4 साल का स्नातक कार्यक्रम है जो पूरी तरह से भौतिक चिकित्सा के अध्ययन पर केंद्रित है। बीपीटी में शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान, बायोमैकेनिक्स, काइन्सियोलॉजी और बहुत कुछ का अध्ययन शामिल है। उम्मीदवार बीपीटी पूरा करने के बाद अस्पतालों, पुनर्वास केंद्रों या खेल संगठनों में फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में काम कर सकते हैं। बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस) - बीएएमएस 5 साल का स्नातक पाठ्यक्रम है जो आयुर्वेदिक चिकित्सा पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम में आयुर्वेदिक सिद्धांतों, शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान, फार्माकोलॉजी आदि का अध्ययन शामिल है। जो लोग बीएएमएस पूरा करते हैं - वे आयुर्वेदिक चिकित्सकों के रूप में काम कर सकते हैं या आयुर्वेद के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएचएमएस) - यह एक कार्यक्रम है जो होम्योपैथिक चिकित्सा पर केंद्रित है। 5-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में होम्योपैथिक सिद्धांतों, मटेरिया मेडिका, रिपर्टरी आदि का अध्ययन शामिल है। बीएचएमएस पूरा करने के बाद, एक छात्र होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में काम कर सकता है या होम्योपैथी के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है। बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी (बीयूएमएस) - बीयूएमएस 5 साल का स्नातक पाठ्यक्रम है जो यूनानी चिकित्सा पर जोर देता है। कार्यक्रम में यूनानी सिद्धांतों, शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान, फार्माकोलॉजी आदि का अध्ययन शामिल है। बीयूएमएस पूरा करने के बाद, उम्मीदवार यूनानी चिकित्सक के रूप में काम कर सकते हैं या यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज (बीएनवाईएस) - बीएनवाईएस एक है5.5-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम जो पारंपरिक चिकित्सा को योग और प्राकृतिक उपचारों के साथ जोड़ता है। कार्यक्रम में प्राकृतिक चिकित्सा, योग, पोषण, शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान आदि का अध्ययन शामिल है। बीएनवाईएस पूरा करने के बाद, एक उम्मीदवार प्राकृतिक चिकित्सक के रूप में काम कर सकता है या प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है।

सीबीएसई/आईसीएसई/ राज्य बोर्ड परीक्षाः अंतिम समय में तैयारी के टिप्स जो आपको बेहतर स्कोर करने में मदद करेंगे

विजय गर्ग

जैसे-जैसे सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य बोर्ड परीक्षाएं नजदीक आती हैं, छात्रों को अपनी तैयारी तेज करने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे-जैसे शैक्षणिक वर्ष समाप्त हो रहा है, छात्र अपनी अंतिम परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। जबकि कुछ का मानना है कि इन पेपरों में सफलता केवल तभी प्राप्त की जा सकती है जब हम बाकी सब कुछ छोड़ दें, अधिक संतुलित दृष्टिकोण अक्सर बेहतर परिणाम देता है। तो, हम अपने शिक्षार्थियों को उनकी बहुप्रतीक्षित परीक्षाओं की तैयारी में कैसे समर्थन दे सकते हैं? सीखना हमेशा रैखिक नहीं होता. कभी-कभी, आप जल्दी सीखते हैं, कभी-कभी धीरे-धीरे, और कभी-कभी, ऐसा लगता है कि आप कुछ भी नहीं सीख रहे हैं... यहां तक कि आइंस्टीन ने भी इन चुनौतियों का सामना किया था! सबसे महत्वपूर्ण बात यह सुनिश्चित करना है कि बाद में आपको यह अहसास न हो कि आप बेहतर कर सकते थे। सकारात्मक बने रहेंः उन विषयों और विषयों से शुरुआत करें जिनमें आप आश्वस्त हैं। शुरुआती सफलता का अनुभव प्रेरणा और बाद में अधिक चुनौतीपूर्ण सामग्री से निपटने के लिए आपके आत्मविश्वास दोनों को बढ़ाता है। एक वैयक्तिकृत पुनरीक्षण समय सारिणी बनाएं और एक योजनाकार या चार्ट का उपयोग करके अपनी प्रगति को ट्रैक करें। अपने चार्ट को पूर्ण विषयों से भरा हुआ देखना अविश्वसनीय रूप से संतोषजनक हो सकता है। अभी शुरू करें... परीक्षाएं कुछ सप्ताह दूर हैं, इसलिए आपकी दीर्घकालिक और अल्पकालिक स्मृति एक साथ प्रभावी ढंग से काम कर सकती है, और परीक्षा के समय तक, अंतिम मिनट में दोहराव प्रबंधनीय प्रतीत होगा। केवल उत्तर याद न रखें. इसके बजाय, अपनी अध्ययन सामग्री को बार-बार पढ़ें। इससे न केवल आपको अवधारणाओं को समझने और तथ्यों को बनाए रखने में मदद मिलेगी, बल्कि यह आपकी वर्तनी में भी सुधार करेगा। जब चीजें समझ में न आएं, तो दूसरे अर्थ को शामिल करने के लिए जोर से पढ़ने का प्रयास करें। कई छात्रों को यह कठिन विचारों को स्पष्ट करने में मदद करता है। नोट बनाओः जैसे ही आप किसी अध्याय को निपटाते हैं, महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित करें और उन्हें अपने शब्दों में लिखने का प्रयास करें। यह आपकी समझ को सुदृढ़ करने में मदद करता है और संशोधन के दौरान त्वरित संदर्भ के रूप में कार्य करता है। निबंध-आधारित उत्तरों के लिए, आप अपनी समीक्षा प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए उन्हें बिंदुओं में फिर से लिखने का प्रयास कर सकते हैं। प्रश्न पूछेंः क्या? कब? कहाँ? कैसे? जब आपको कोई विषय समझ में न आए, तो अपने शिक्षकों से पूछने या अन्य शिक्षण संसाधनों का पता लगाने में संकोच न करें। याद रखेंः किसी अवधारणा को पूरी तरह से समझना बेहतर ग्रेड की कुंजी है, इसलिए याद रखने की बजाय स्पष्टता पर ध्यान दें। अपना समय संतुलित करेंः यदि आपको लगता है कि आप पूरा दिन पढ़ रहे हैं, तो अपने शेड्यूल का पुनर्मूल्यांकन करें। अपने लिए एक संतुलित दैनिक समय सारिणी बनाएं जिसमें पढ़ाई, खेलना (और शायद अपने पसंदीदा शो देखने का समय भी शामिल हो)। बर्नआउट से बचने के लिए छोटे-छोटे ब्रेक के साथ 1-2 घंटे के ब्लॉक में अध्ययन करें। सप्ताहांत में, आपके पास अध्ययन के लंबे घंटे हो सकते हैं लेकिन सुनिश्चित करें कि आपको अभी भी आराम करने और तरोताजा होने के लिए समय मिले। स्वस्थ रहें और विकर्षणों से बचेंः एक स्वस्थ शरीर स्वस्थ दिमाग का समर्थन करता है। पौष्टिक भोजन करें, हाइड्रेटेड रहें, नियमित व्यायाम करें और पर्याप्त नींद लें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपका ध्यान अपने लक्ष्यों पर बना रहे, स्क्रीन समय सीमित करें और सोशल मीडिया विकर्षणों को प्रबंधित करें। परीक्षा कौशल का निर्माण करेंः परीक्षाएँ केवल सामग्री ज्ञान से अधिक का मूल्यांकन करती हैं - वे आपके समय प्रबंधन और उत्तरों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने की क्षमता का भी परीक्षण करती हैं। मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन मानदंड, ब्लूप्रिंट और रूब्रिक्स से खुद को परिचित करें। यह समझने के लिए मॉडल उत्तरों का अध्ययन करें कि अपनी प्रतिक्रियाओं को प्रभावी ढंग से कैसे तैयार किया जाए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आप सामग्री के बारे में अपनी समझ और इस समझ को स्थितियों और केस अध्ययनों पर लागू करने की क्षमता को संप्रेषित कर सकें। स्वयं की जांच करोः जैसे ही आप दोहराते हैं, संभावित प्रश्न लिख लें और बाद में स्वयं का परीक्षण करें। पारस्परिक प्रतिक्रिया के लिए स्व-मूल्यांकन करें या किसी मित्र के साथ कागजात का आदान-प्रदान करें। अभ्यास पत्रों में गलतियाँ सीखने के मूल्यवान अवसर हैं क्योंकि वे उन क्षेत्रों को उजागर करती हैं जिन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। अभ्यास ही कुंजी है, इसलिए समयबद्ध अभ्यास पत्रों के साथ परीक्षा स्थितियों का अनुकरण करें। अपनी चिंता प्रबंधित करेंः जहां थोड़ी सी घबराहट आपका ध्यान केंद्रित कर सकती है, वहीं अत्यधिक चिंता प्रदर्शन में बाधा डाल सकती है। तनाव के लक्षणों को पहचानना - चिंता, आत्म-संदेह, विचारों का दौड़ना, या यहाँ तक कि तेज़ दिल की धड़कन या मतली जैसे शारीरिक लक्षण - इस समस्या के समाधान की दिशा में पहला कदम है। एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं जो आपके दिमाग को शांत करने में मदद करने के लिए गहरी सांस लेने और माइंडफुलनेस जैसी विश्राम तकनीकों को शामिल करते हुए एक यथार्थवादी अध्ययन और पुनरीक्षण योजना तैयार करता है। अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करके नकारात्मक विचारों से बचें और आत्म-संदेह को दूर करने के लिए सकारात्मक पुष्टि का उपयोग करें। परीक्षा के दिन सकारात्मक रहेंः अपने दिन की शुरुआत स्वस्थ नाश्ते और कुछ गहरी सांसों के साथ करें। आखिरी मिनट के तनाव से बचने के लिए जल्दी पहुंचें। एक बार जब आपको प्रश्न पत्र मिल जाए, तो उसे ध्यान से पढ़ें और प्रत्येक अनुभाग के लिए समय आवंटित करके योजना बनाएं कि आप इसे कैसे हल करना चाहते हैं। पेपर हल करते समय, यदि आप तनावग्रस्त महसूस करते हैं या कोई ऐसा प्रश्न आता है जो अपरिचित लगता है, तो रुकें, गहरी साँस लें और फिर से ध्यान केंद्रित करें। यात्रा को गले लगाओ! परीक्षाएं सिर्फ अंकों के बारे में नहीं बल्कि विकास और सीखने के बारे में हैं। वैचारिक स्पष्टता का निर्माण, नियमित रूप से समय पर मूल्यांकन का अभ्यास करना, और अध्ययन और विश्राम के बीच एक स्वस्थ संतुलन बनाए रखना आपको सफलता के लिए तैयार करेगा। अपने प्रयासों का जश्न मनाएं, अपनी गलतियों से सीखें और खुद को अच्छे ब्रेक से पुरस्कृत करें। याद रखें, परीक्षाएं आपके ज्ञान का परीक्षण करती हैं, आपकी योग्यता की नहीं, इसलिए अपनी तैयारी पर विश्वास करें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, जो वास्तव में मायने रखता है।

कुशल और प्रभावी ग्रामीण स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से ही कर सकते हैं विकसित भारत के सपने को साकार

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रामीण-शहरी विभाजन का मुद्दा स्वास्थ्य सेवा में भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। देश की 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है लेकिन देश के केवल एक तिहाई डॉक्टर इन समुदायों की सेवा करते हैं। अपर्याप्त बुनियादी ढांचे सीमित आर्थिक अवसर और संचारी और गैर-संचारी रोगों के दोहरे बोझ से यह असमानता और बढ़ जाती है।

डॉ. स्वाति पिरामल। जैसे-जैसे देश अपनी आजादी के शताब्दी के जश्न के करीब पहुंच रहा है, वैसे-वैसे ही एक विकसित और समतापूर्ण राष्ट्र का विजन हमारी उम्मीदों के अनुरूप आकार लेता नजर आने लगता है। जैसा कि हम सब जानते हैं कि एक संपन्न अर्थव्यवस्था, सशक्त कार्यबल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, और इन सबका आधार एक स्वस्थ आबादी है। स्वास्थ्य, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से जटिल रूप से जुड़ा हुआ है, जो गरीबी में कमी और सामाजिक समानता जैसे व्यापक परिणामों को आकार देता है।

हालांकि, ग्रामीण-शहरी विभाजन का मुद्दा स्वास्थ्य सेवा में भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। देश की 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, लेकिन देश के केवल एक तिहाई डॉक्टर इन समुदायों की सेवा करते हैं। अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, सीमित आर्थिक अवसर और संचारी और गैर-संचारी रोगों के दोहरे बोझ से यह असमानता और बढ़ जाती है।

प्रमुख स्वास्थ्य संकेतक इस असमानता को रेखांकित करते हैं- ग्रामीण भारत में शिशु मृत्यु दर 1,000 जीवित जन्मों पर 31 है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 1,000 पर 19 है। ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत प्रसव दर 86 प्रतिशत है, जबकि शहरी केंद्रों में यह 93 फीसदी है। टीकाकरण कवरेज में लॉजिस्टिक बाधाओं और सीमित जागरूकता के कारण बाधा आती है।

ये असमानताएँ आधुनिक चिकित्सा के प्रति पहुंच, गुणवत्ता और ऐसी ही अन्य गंभीर चुनौतियों को उजागर करती हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य परिणामों को और जटिल बनाती हैं। इस विभाजन को दूर करने के लिए एक सिस्टम-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो समुदाय-संचालित समाधानों को समावेशी प्रथाओं के साथ एकीकृत करता है। इसके लिए जरूरी है कि लीडरशिप की ओर से पूरा सपोर्ट मिले। साथ ही एक बेहतर और प्रभावी सूचना नेटवर्क द्वारा इसे मजबूत किया जाना चाहिए, जिससे टिकाऊ और न्यायसंगत स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों का मार्ग प्रशस्त हो सके।

जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवा से संबंधित नेतृत्व को मजबूत करना

भारत के अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य सेवा कर्मी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा को पहुंचाने के लिहाज से मेरूदंड की भूमिका निभाते हैं। इनमें मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा), सहायक नर्स दाइयां (एएनएम) और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल हैं। ये अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता मातृ, शिशु और किशोर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण हैं, जो अक्सर ग्रामीण समुदायों और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के बीच प्राथमिक कड़ी के रूप में काम करते हैं। हालांकि, उनकी क्षमता अक्सर सीमित प्रशिक्षण और अपर्याप्त सहायता प्रणालियों, जिसमें उचित आवास, परिवहन और पेशेवर सलाह शामिल हैं, के कारण बाधित होती है।

बिहार में डिस्ट्रिक्ट मेंटरिंग टीम (डीएमटी) जैसी पहल इस कहानी को बदल रही है। अनुभवी नर्सों के नेतृत्व में ये टीमें सहायक नर्स दाइयों (एएनएम) को गर्भावस्था के दौरान उच्च रक्तचाप, गर्भावस्था के दौरान एनीमिया और मातृत्व देखभाल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सलाह देती हैं। क्षमता निर्माण को हाथों-हाथ समर्थन के साथ संतुलित करके, डीएमटी न केवल स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के कौशल को बढ़ाते हैं, बल्कि ऐसे पेशेवरों की एक नई लाइन भी तैयार करते हैं जो अपने समुदायों की अनूठी जरूरतों के प्रति गहराई से सजग होते हैं। हालांकि ऐसी पहलों की सफलता इस व्यवस्था में शामिल उन लोगों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करती है जो सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करते हैं और विश्वास को बढ़ावा देते हैं।

नेतृत्व विकास में निवेश करके, हम स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों का एक कैडर बना सकते हैं जो जवाबदेही और करुणा की विरासत का निर्माण करते हुए प्रणालियों का प्रबंधन कर सकते हैं। स्वास्थ्य सेवा नेतृत्व को नैतिकता और सहानुभूति पर आधारित मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाने के लिए तकनीकी दक्षता से आगे बढ़ना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रत्येक रोगी को देखा, सुना जाए और उसे लगे कि पूरा महत्व दिया जा रहा है, क्योंकि गरिमा चिकित्सा के रूप में ही उपचार के लिए आवश्यक है।

यह जरूरी है कि युवा डॉक्टरों को उनकी इंटर्नशिप के दौरान सहानुभूति और समझ का निर्माण करने के लिए प्रेरित किया जाए, जो दयालु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की आधारशिला है। इसमें वे उन समुदायों की संवेदनशीलता का ध्यान रखते हैं, जिनकी वे सेवा करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि देखभाल सम्मानपूर्वक और बिना किसी निर्णय के प्रदान की जाती है। यह ग्रामीण समुदायों में विश्वास की कमी को पाटने में एक लंबा रास्ता तय करेगा, जहाँ लोग औपचारिक स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर भरोसा नहीं करते हैं।

नेतृत्व के इस दृष्टिकोण में समुदाय के अलग-अलग लोगों की विविध आवाजों को भी शामिल किया जाना चाहिए। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में, पारंपरिक चिकित्सकों का गहरा विश्वास और प्रभाव होता है। प्रमाणित आदिवासी चिकित्सकों को स्वास्थ्य सेवा कार्यबल में शामिल करना पारंपरिक प्रथाओं और आधुनिक चिकित्सा के बीच की खाई को पाटता है। जब ये चिकित्सक लोगों को चिकित्सा सुविधाओं में उन्नत देखभाल प्राप्त करने की सलाह देते हैं, तो वे आधुनिक स्वास्थ्य सेवा के इर्द-गिर्द सामाजिक और सांस्कृतिक कलंक को तोड़ते हुए विश्वास का एक चक्र शुरू करते हैं। साक्ष्य-आधारित प्रथाओं के साथ पारंपरिक ज्ञान को जोड़ने का यह प्रयोग एक ऐसी समावेशी ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को बढ़ावा देता है, जिसमें करुणा, सहयोग और सामुदायिक सशक्तिकरण पर भी पूरा जोर दिया जाता है।

भागीदारी से ही संभव है तरक्की

कुशल स्वास्थ्य सेवा कार्यबल का निर्माण करने के लिए पहलों को बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवा संबंधी फासले को पाटने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में सहयोग की आवश्यकता होती है। इस तरह की भागीदारी के जरिये और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, टैक्नोलॉजी और लॉजिस्टिक संबंधी सहायता के माध्यम से कम सेवा वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा को बदलने का प्रयास किया जा रहा है। सार्वजनिक निजी भागीदारी ने 'ईसंजीवनी' जैसे टेलीमेडिसिन हब के माध्यम से दूरस्थ समुदायों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क से सफलतापूर्वक जोड़ा है।

इसी तरह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के साथ साझेदारी के साथ असम में उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं, जहाँ मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) पिछले 16 वर्षों में 54.5 मिलियन से अधिक लाभार्थियों तक पहुंचने में सक्षम रही हैं।

कार्यबल विकास के साथ-साथ, प्रभावी स्वास्थ्य सेवा वितरण के लिए मजबूत और बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश करना महत्वपूर्ण है। मॉड्यूलर स्वास्थ्य इकाइयाँ, ऑनलाइन स्वास्थ्य पोर्टल, मोबाइल क्लीनिक और टेलीमेडिसिन हब जैसे इनोवेशन के कारण स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुँच अब आसान हुई है।

पहुँच में सुधार के अलावा, डिजिटल उपकरण स्वास्थ्य सेवा प्रशासन में क्रांति ला रहे हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के नेतृत्व में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) जैसी पहलों ने उत्तर प्रदेश और बिहार में प्रभावशाली परिणाम दिए हैं।

कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर के एकीकरण ने स्वास्थ्य कर्मियों को कार्रवाई योग्य डेटा से लैस किया है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और देखभाल वितरण में सुधार हुआ है। नवीन टैक्नोलॉजी जैसे एएमआरआईटी जैसी स्वास्थ्य डेटा प्रणाली रोगी के स्वास्थ्य की ऑनलाइन निगरानी की सुविधा प्रदान करती हैं, पॉइंट-ऑफ़-केयर परीक्षण को एकीकृत करके वर्कर्स को तेज़, अधिक बेहतर निर्णय लेने में मदद करती हैं।

एनएचएम और सिस्को के बीच साझेदारी वाले निरामय टू जैसे कार्यक्रमों ने असम में एबीडीएम से संबंधित ईको सिस्टम को मजबूत किया है जिससे 34,000 संभावित टीबी मामलों का जल्द पता लगाने और 64,000 संस्थागत प्रसव की सुविधा मिली है और इस तरह देखभाल की निरंतरता सुनिश्चित हुई है।

समग्र, समावेशी स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी प्रतिबद्धता के जरिये ही हम ग्रामीण-शहरी विभाजन को दूर करने का सपना साकार कर सकते हैं और साथ ही यह भी सुनिश्चित कर सकते हैं कि शताब्दी के जश्न में कोई भी पीछे न छूट जाए। ग्रामीण भारत में, जहां स्वास्थ्य सेवा की चुनौतियां सबसे गंभीर हैं, समाधान उतने ही बहुआयामी होने चाहिए जितने कि मुद्दे स्वयं हैं।

मजबूत बुनियादी ढांचे द्वारा समर्थित और साझेदारी के माध्यम से सशक्त एक कुशल, दयालु स्वास्थ्य सेवा कार्यबल का निर्माण करके, हम एक ऐसी ग्रामीण स्वास्थ्य प्रणाली बना सकते हैं जो न्यायसंगत और टिकाऊ दोनों हो। और इसी तरह हम एक समृद्ध और विकसित भारत के अपने सपने को साकार कर सकेंगे।

ग्रामीण क्षेत्र में विकास के अवसर क्या हैं, और निवेशक किस तरह से उठा सकते हैं फायदा

tपरिवहन विशेष न्यूज

बेहतर कनेक्टिविटी उच्च शिक्षा तक पहुंच और कृषि पर कम निर्भरता ग्रामीण भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल रही है। देश की 64% आबादी गांवों में रहती है और सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 44% का योगदान देती है। यह असंतुलन धीरे-धीरे कम हो रहा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश अगले दो दशकों में भारत की विकास गाथा को आकार देगा और निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर भी प्रदान करेगा।

नई दिल्ली। भारत बदलाव के मुहाने पर खड़ा है, और आर्थिक विकास की अगली लहर गांवों से शुरू होने वाली है, जिसे महात्मा गांधी ने भारत की आत्मा माना था। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार के प्रभावशाली कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार करेंगे और उनके जीवन की गुणवत्ता बढ़ाएंगे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश अगले दो दशकों में भारत की विकास गाथा को आकार देगा और निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर भी प्रदान करेगा।

ग्रोथ फाउंडेशन

देश की 64% आबादी गांवों में रहती है और सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 44% का योगदान देती है। यह असंतुलन धीरे-धीरे कम हो रहा है, जिसका श्रेय सरकार के ठोस प्रयासों को जाता है। इन प्रयासों में सन 2000 से अब तक 7.2 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनाना, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2.1 करोड़ घर बनाना, 100% ग्रामीण विद्युतीकरण और 73% साक्षरता दर शामिल हैं।

बेहतर कनेक्टिविटी, उच्च शिक्षा तक पहुंच, और कृषि पर कम निर्भरता ग्रामीण भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल रही है। ग्रामीण क्षेत्र के सकल मूल्य वर्धित (Gross Value Added - GVA) में कृषि का योगदान वित्त वर्ष 1994 में 56% से घटकर वित्त वर्ष 2022 में 40% हो गया है। वहीं, गैर-कृषि गतिविधियों जैसे मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और कंस्ट्रक्शन का योगदान इसी अवधि में 44% से बढ़कर 60% हो गया है। यह बदलाव कृषि से धीरे-धीरे दूरी का संकेत देता है, जो वर्तमान में 41.5% आबादी को रोजगार देने के बावजूद राष्ट्रीय GDP का केवल 16% हिस्सा है।

अगली लहर: मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर

ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक पुनरुत्थान के पीछे अवसरों की व्यापक श्रृंखला है। ट्रैक्टर और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे पारंपरिक ग्रामीण-केंद्रित उद्योगों के विपरीत, यह लहर बैंकिंग, पैसेंजर कारों और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जैसे क्षेत्रों तक फैल रही है। ग्रामीण भारत तेजी से आर्थिक विकास का इंजन बन रहा है और देश की विकास गाथा को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। ग्रामीण औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई सरकारी कार्यक्रम सतत विकास का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। यह बदलाव भारत के लिए नए अवसर खोलता है, खासकर उन ग्रामीण क्षेत्रों में जहां प्रमुख सेक्टर्स की पहुंच अभी भी सीमित है।

निवेश का अवसर

ग्रामीण विकास के अवसर का लाभ उठाने वाले इच्छुक निवेशक ICICI Prudential Rural Opportunities Fund पर विचार कर सकते हैं। यह ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम उन सेक्टर्स और कंपनियों में निवेश करती है, जो ग्रामीण भारत के विकास को प्रोत्साहित कर रहे हैं और उससे लाभान्वित हो रहे हैं। न्यू फंड ऑफर (NFO) 9 जनवरी से 23 जनवरी, 2025 तक उपलब्ध है।

बजट में सीमा शुल्क स्लैब को 40 से घटाकर पांच करने का सुझाव, जानें क्या होगा इसका असर

परिवहन विशेष न्यूज

जीटीआरआई ने देश के औसत सीमा शुल्क को लगभग 10 प्रतिशत तक कम करने का सुझाव देते हुए कहा कि इस मकसद को किसी बड़े राजस्व नुकसान के बगैर भी हासिल किया जा सकता है। फिलहाल 85 प्रतिशत शुल्क राजस्व केवल 10 प्रतिशत आयात शुल्क श्रेणियों से आता है जबकि 60 प्रतिशत शुल्क श्रेणियों का राजस्व में तीन प्रतिशत से भी कम अंशदान है।

नई दिल्ली। आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने सोमवार को कहा कि आगामी बजट में सरकार को सीमा शुल्क स्लैब को 40 से घटाकर पांच करके शुल्क संरचना आसान बनाना चाहिए। साथ ही यह सुनश्चित करना चाहिए के आयात बिलों में कटौती, मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात को बढ़ाने के लिए कच्चे माल पर कम कर लगाया जाए।

जीटीआरआई ने एक रिपोर्ट में भारत के सीमा शुल्क ढांचे को परिष्कृत करने, अंतरराष्ट्रीय जांच से बचने और शुल्क को राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप रखने के लिए शुल्क नीतियों की अंतर-मंत्रालयी समीक्षा की मांग की।

जीटीआरआई ने देश के औसत सीमा शुल्क को लगभग 10 प्रतिशत तक कम करने का सुझाव देते हुए कहा कि इस मकसद को किसी बड़े राजस्व नुकसान के बगैर भी हासिल किया जा सकता है। फिलहाल 85 प्रतिशत शुल्क राजस्व केवल 10 प्रतिशत आयात शुल्क श्रेणियों से आता है, जबकि 60 प्रतिशत शुल्क श्रेणियों का राजस्व में तीन प्रतिशत से भी कम अंशदान है।

सीमा शुल्क से कितनी होती है कमाई?

रिपोर्ट के मुताबिक, सीमा शुल्क की भारत के सकल कर राजस्व में हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 6.4 प्रतिशत रह गई है जबकि कारपोरेट कर (26.8 प्रतिशत), आयकर (29.7 प्रतिशत) और जीएसटी (27.8 प्रतिशत) इससे काफी आगे हैं।

रिपोर्ट कहती है, 'सीमा शुल्क के स्लैब को 40 से घटाकर पांच पर लाना, अधिकतम शुल्क को 50 प्रतिशत पर सीमित करना और यह सुनिश्चित करना कि कच्चे माल पर तैयार माल की तुलना में कम कर लगाया जाए, आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देगा, आयात निर्भरता को कम करेगा और निर्यात बढ़ाने में मदद करेगा।'

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ सकती है टैरिफ वॉर

इस बीच वैश्विक स्तर पर टैरिफ वॉर गहराने की आशंका है। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। इसे लेकर कनाडा भी जवाबी टैरिफ की तैयारी कर रहा है। इस बीच, कनाडा के कार्यवाहक प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने रविवार को कहा कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के बारे में ट्रंप की टिप्पणी ने अमेरिकी उपभोक्ताओं को भारी टैरिफ से होने वाले नुकसान से ध्यान भटका दिया है।

ट्रूडो ने एमएसएनबीसी को दिए साक्षात्कार में कहा कि कोई भी अमेरिकी कनाडा से आने वाली बिजली या तेल और गैस के लिए 25 प्रतिशत अधिक भुगतान नहीं करना चाहेगा। मुझे लगता है कि लोगों को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

शेयर बाजार में हाहाकार! चार दिन में निवेशकों के 24.69 लाख करोड़ रुपये डूबे, रुपया भी बेहाल

नई दिल्ली। इक्विटी मार्केट में पिछले 4 कारोबारी सत्रों की गिरावट से निवेशकों का भारी नुकसान हुआ है। उनके करीब 24.69 लाख करोड़ रुपये डूब गए। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी फंड की निरंतर निकासी से सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार गिरावट आ रही है।

वहीं, अमेरिका में मजबूत रोजगार आंकड़ों ने आग में घी डालने का काम किया, क्योंकि इससे ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हो गई। वहीं, रुपये में भी लगभग दो साल में सबसे बड़ी एक दिन की गिरावट आई। इससे भी निवेशकों का हौसला पस्त हो गया।

चार सत्र में 2.39 फीसदी गिरा सेंसेक्स

पिछले चार कारोबारी सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 1,869.1 अंक या 2.39 प्रतिशत गिरा है। शुक्रवार को लगातार चौथे सत्र में गिरावट के साथ, 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 1,048.90 अंक या 1.36 प्रतिशत गिरकर अंत में 76,330.01 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 1,129.19 अंक या 1.45 प्रतिशत गिरकर 76,249.72 पर आ गया।

बीएसई में सूचीबद्ध फर्मों का बाजार पूंजीकरण चार दिनों में 24,69,243.3 करोड़ रुपये घटकर 4,17,05,906.74 करोड़ रुपये (4.82 ट्रिलियन डॉलर) रह गया। सोमवार को शेयरों में तेज गिरावट के साथ ही बीएसई में सूचीबद्ध फर्मों का बाजार पूंजीकरण 5 ट्रिलियन डॉलर के स्तर से नीचे चला गया। अकेले सोमवार को निवेशकों की संपत्ति में 12.61 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई।

क्या है एक्सपर्ट की राय

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में रिसर्च और वेल्थ मैनेजमेंट के हेड सिद्धार्थ खेमका का कहना है, 'इस महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली 20,000 करोड़ रुपये को पार कर गई। इससे बाजार में नेगेटिव सेंटिमेंट को बढ़ावा मिला। अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल आंकड़ों के अपेक्षा से अधिक मजबूत होने के कारण भारतीय रुपया सत्र के दौरान डॉलर के मुकाबले नए निचले स्तर पर पहुंच गया। इसने सेंटिमेंट को और भी कमजोर कर दिया।'

खेमका कहना है कि अमेरिकी प्रतिबंध बढ़ने से बीच तेल की कीमतें तीन महीने से अधिक समय में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह रूस से क्रूड ऑयल सप्लाई बाधित होना है। इसने वैश्विक अनिश्चितता को बढ़ा दिया है।

किस शेयर का कैसा रहा प्रदर्शन

अगर 30 शेयरों वाले ब्लू-चिप पैक की बात करें, तो जोमैटो में 6.50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट और सन फार्मा को भी काफी नुकसान हुआ। इसके उलट एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इंडसइंड बैंक में तेजी देखने को मिली।

हालांकि, सबसे अधिक मार मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों पर पड़ी। इनमें से अधिक स्टॉक 4 से 5 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। एक्सपर्ट का मानना है कि कच्चे तेल का दाम बढ़ने से मुद्रास्फीति में भी उछाल आएगा। इससे बाजार का सेंटिमेंट और भी खराब होने की आशंका है।

रुपये में दो साल की सबसे बड़ी गिरावट

अमेरिकी मुद्रा में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले दो साल में एक दिन की सबसे बड़ी 58 पैसे की गिरावट के साथ 86.62 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले छह फरवरी, 2023 को रुपये में 68 पैसे की बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.12 के भाव पर खुला और कारोबार के दौरान एक बार 86.11 पर पहुंचा। हालांकि अधिकांश समय यह नकारात्मक दायरे में ही रहा। पिछले दो सप्ताह में रुपये में अमूमन गिरावट का ही रुख रहा है। रुपया 30 दिसंबर को 85.52 के स्तर पर बंद होने के बाद से पिछले दो सप्ताह में एक रुपये से अधिक की बड़ी गिरावट देख चुका है।

जल्द करें ये काम, वरना नहीं मिलेगा पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त का लाभ

अब तक पीएम किसान योजना की 18 किस्तों के माध्यम से देश के करोड़ों किसानों के खाते में आर्थिक मदद भेजी जा चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 5 अक्टूबर को महाराष्ट्र में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 18वीं किस्त जारी की थी। आइए जानते हैं कि पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त कब जारी होगी और इसका लाभ उठाने के लिए आपको क्या करना होगा।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त जल्द जारी करने वाली है। इस योजना के तहत पात्र किसानों को साल में 6 हजार रुपये की आर्थिक मदद मिलती है। यह आर्थिक मदद तीन किस्तों में मिलती है। हर किस्त में सरकार 2-2 हजार रुपये सीधे किसानों के खाते में ट्रांसफर करती है।

अब तक 18 किस्तों के माध्यम से देश के करोड़ों किसानों के खाते में आर्थिक मदद भेजी जा चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 5 अक्टूबर को महाराष्ट्र में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 18वीं किस्त जारी की थी। आइए जानते हैं कि पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त कब जारी होगी और इसका लाभ उठाने के लिए आपको क्या करना होगा।

पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त कब जारी होगी?

केंद्र सरकार हर चार महीने में पीएम किसान योजना की किस्त जारी करती थी। पिछली किस्त अक्टूबर 2024 में आई थी। इस हिसाब से योजना की अगली किस्त फरवरी में जारी की जा सकती है। हालांकि, इसे लेकर अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

किन किसानों को नहीं मिलेगा पीएम किसान योजना का लाभ

पीएम किसान योजना का लाभ उठाने के लिए ई-केवाईसी और भूलेखों यानी जमीन के मालिकाना हक का सत्यापन कराना जरूरी है। जिन किसानों ने वेरिफिकेशन नहीं कराया है, उन्हें योजना का लाभ नहीं मिलेगा। सरकारी अधिकारी लगातार किसानों को जागरूक कर रहे हैं कि वे योजना का लाभ उठाने के लिए जल्द से जल्द ई-केवाईसी और भूलेखों का वेरिफिकेशन करा लें। योजना का लाभ लेने के लिए किसान के बैंक अकाउंट का आधार से लिंक होना भी जरूरी है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभ क्या हैं?

- पीएम किसान योजना के तहत किसानों को सालाना 6,000 रुपये की सहायता मिलती है। इससे उन्हें अपनी खेती से जुड़ी अपनी जरूरतें पूरी करने में मदद मिलती है।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को लाभ पहुंचाना है, जिनके पास कम जमीन है और वे आर्थिक रूप से कमजोर हैं।
- पीएम किसान योजना में कोई बिचौलिया नहीं है। इसमें रकम सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जाती है। इससे भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम हो जाती है।
- किसानों के लिए इस योजना में रजिस्ट्रेशन प्रोसेस काफी बेहद सरल है। इसे ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किया जा सकता है।

धार्मिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक महत्व भी है मकर संक्रांति का(मकर संक्रांति विशेष आलेख)

14 जनवरी को स्नान और दान का पर्व मकर संक्रांति है। वास्तव में, यह शीत ऋतु की समाप्ति और नई फसल ऋतु के आरंभ का प्रतीक तथा भारतीय संस्कृति का प्रमुख त्योहार है, जो पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह पुण्य अर्जित करने और पापों से मुक्ति का पावन पर्व है।ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, भगवान सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करने या गोचर करने को ही संक्रांति कहा जाता है। पूरे साल में सूर्य देव 12 राशियों में गोचर(प्रवेश)करते हैं।एक राशि में सूर्य देव 30 दिनों तक रहते हैं और इस प्रकार से एक साल में 12 संक्रांतियां पड़ती हैं, लेकिन इन सभी संक्रांति में मकर संक्रांति और मीन संक्रांति को सबसे अहम्और महत्वपूर्ण माना जाता है।मकर संक्रांति के दिन तिल, गुड़, चावल और वस्त्रों का दान करना विशेष फलदायी व पुण्य का काम माना गया है। मकर संक्रांति पर खाया जाने वाला प्रसाद व खाद्य सामग्री जैसे तिल,गुड़, खिचड़ी,दही आदि न सिर्फ आरोग्यवर्धक होते हैं बल्कि हमारे शरीर को इम्यूनिटी भी प्रदान करते हैं। सूर्य की रौशनी जहां हमें एनर्जी, स्फूर्ति प्रदान करती है वहीं दूसरी ओर पतंगबाजी के उत्साहपूर्ण माहौल में हमारे शरीर में इस स्फूर्ति और उल्लास का संचार होता है।कुछ लोग इस दिन गंगा नदी या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करते हैं और पूजा भी करते हैं।यह दिन विशेष रूप से पुण्य अर्जित करने और आत्मशुद्धि के लिए पवित्र और पावन माना जाता है। इस त्योहार की खास बात यह है कि यह प्रत्येक वर्ष अमूमन 14 जनवरी को ही मनाया जाता है। हालांकि, यह भी एक तथ्य है कि कभी-कभी यह त्योहार एक दिन पहले या बाद में यानी 13 या 15 जनवरी को भी मनाया जाता है, लेकिन ऐसा बहुत ही कम होता है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल भी मकर संक्रांति 15 जनवरी को मनाई गई थी।दरअसल, मकर संक्रांति का संबंध सीधा पृथ्वी के भूगोल और सूर्य की स्थिति से है और जब सूर्य मकर रेखा पर आता है, वह दिन 14 जनवरी का ही होता है। इस दिन सूर्य उत्तरायन होकर मकर रेखा से गुजरता है। वास्तव में,सूर्य देवता जब एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं तो उस दिन को 'संक्रांति' के रूप में मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो ,जब सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में गोचर यानी प्रवेश करते हैं, तब मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है।सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही खरमास भी खत्म हो जाता है, इसलिए इस दिन को बहुत ही शुभ व अच्छा माना जाता है। विदित हो कि मकर संक्रांति से शादी-विवाह या अन्य मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं। पाठकों को जानकारी देता चलूं कि मकर

संक्रांति सूर्य, पृथ्वी और ऋतुओं के बीच के संबंध को दर्शाने वाला पर्व है, जिसका न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्व है, बल्कि इसका वैज्ञानिक महत्व भी है। इस दिन सूर्य भगवान दक्षिणायन से उत्तरायण होते हैं और सूर्य के उत्तरी गौलार्ध की ओर झुकने के कारण दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती हैं, तापमान में बढ़ोत्तरी होने लगती है। दूसरे शब्दों में,मकर संक्रांति से शीत ऋतु का अंत होने लगता है और वसंत ऋतु की शुरुआत हो जाती है। यह समय कृषि व किसानों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस दिन से फसल कटाई(तिलहन,दलहन) का मौसम शुरू हो जाता है। मकर संक्रांति से सूर्य के उत्तरायण होने से मनुष्य को स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं, क्यों कि सूर्य से हमें भरपूर मात्रा में विटामिन डी मिलता है, शायद यही कारण भी है कि मकर संक्राति पर भगवान सूर्य देव की विशेष पूजा भी की जाती है।भारत में मकर संक्रांति को अलग-अलग नामों से जाना जाता हैं। मसलन,आंध्रप्रदेश, केरल और कर्नाटक में इसे संक्रांति, तमिलनाडु में इसे पोंगल, पंजाब और हरियाणा में इस समय चूंकि नई फसल का स्वागत किया जाता है, इसलिए इसे लोहड़ी या माघी पर्व के रूप में मनाया जाता है। वहीं असम में माघ बिहू के रूप में इस पर्व को अत्यंत हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि मकर संक्रांति को खिचड़ी और उत्तरायण के नाम से भी जाना जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि उत्तर प्रदेश और बिहार में इसे मकर संक्रांति और खिचड़ी, गुजरात में इसे उत्तरायण, केरल में इसे मकर विलक्कू तथा कर्नाटक में इसे 'एलु बिरोधु' के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति के मनाने के पीछे एक कथा है। हमारे सनातन शास्त्रों में यह निहित है कि भगवान शनिदेव के वर्ण यानी रूप को देख सूर्य देव ने उन्हें अपनाने से मना कर दिया था। उस समय माता छाया(भगवान सूर्य की धर्मपत्नी) ने सूर्यदेव को कुष्ठ रोग से पीड़ित होने का श्राप दिया। यह सुनकर सूर्य देव क्रोधित हो उठे। इसके बाद सूर्य देव ने शनिदेव और माता छाया के ठहरने वाले स्थान को भस्म कर दिया। कालांतर में यम देव ने सूर्य देव के क्रोध का शमन किया। साथ ही सूर्य देव को माता छाया के लिए अपने क्रोध को स्नेह में बदलने का अनुरोध किया। तब सूर्य देव ने माता छाया को क्षमा किया। इसके बाद सूर्य देव अपने पुत्र शनिदेव से मिलने पहुंचे। कहते हैं कि सूर्य देव के मकर राशि में गोचर या प्रवेश करने की तिथि पर ही दोनों की आपस में भेंट हुई थी। उस समय घर पर कुछ और नहीं होने पर शनिदेव ने अपने पिता सूर्य देव को तिल अर्पित किए थे। यही कारण है कि मकर संक्रांति के दिन भगवान सूर्य को तिल अर्पित किए जाते हैं अथवा तिलों का भोग लगाया जाता है। कहते हैं यह मकर संक्रांति का ही दिन था जब पिता-पुत्र (सूर्य देव और शनिदेव) के संबंध मधुर हुए थे। मकर संक्रांति के दिन पतंगबाजी भी की जाती है, इसके पीछे भी धार्मिक कारण निहित हैं। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने की परंपरा भगवान राम से जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि भगवान राम ने मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाई थी और वह इंद्रलोक मैं चली गयी थी तब से आज तक इस दिन पतंगबाजी जरूर करते हैं। एक अन्य प्रचलित कथा के अनुसार, इच्छा मृत्यु वरदान प्राप्त भीष्म पितामह ने भी इसी दिन यानी अपने प्राण त्यागे थे। इस संबंध में पाठकों को बताता चलूं कि भगवान श्री कृष्ण ने इस दिन की महिमा बताते हुए गीता में कहा है कि उत्तरायण के 6 मास के शुभ काल में, जब सूर्य देव उत्तरायण होते हैं और पृथ्वी प्रकाशमय रहती है, तो इस प्रकाश में शरीर का परित्याग करने से व्यक्ति का पुनर्जन्म नहीं होता है। हमारे बुजुर्ग बताते हैं कि इस दिन प्राण त्यागने वाले लोगों को सीधे स्वर्ग की प्राप्ति होती है। एक अन्य पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन ही मां गंगा धरती पर अवतरित हुई थीं और राजा भगीरथ के साथ कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई गंगासागर तक पहुंची थीं। तभी से यह मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन धरती पर अवतरित मां गंगा के पावन जल से स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और सभी

पापों का नाश होता है। यह वही दिन है जब भगवान विष्णु ने पृथ्वी लोक पर असुरों का संहार कर उनके सिरों को काटकर मंदरा पर्वत पर गाड़ दिया था। तभी से भगवान विष्णु की असुरों पर विजय को मकर संक्रांति पर्व के तौर पर मनाया जाता है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि इस दिन भगवान विष्णु का भी विशेष पूजन-अर्चन किया जाता है। अंत में, आप सभी को भारतीय सनातन संस्कृति के इस पावन पर्व की मंगलकामनाएं, शुभकामनाएं। जय-जय।

जीवंत रीति-रिवाजों और परंपराओं से सजा मकर संक्रांति का उत्सव

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत के कई राज्यों में 14 जनवरी को अलग-अलग नामों से सांस्कृतिक उत्सव मनाए जाते हैं-मकर संक्रांति, पोंगल, माघ बिहू आदि। कई हिंदू त्योहारों के विपरीत, इन त्योहारों की तारीख काफ़ी हद तक तय होती है। मकर संक्रांति, भारत में सबसे अधिक मनाए जाने वाले त्यौहारों में से एक है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने का प्रतीक है, जो सर्दियों के अंत और लंबे दिनों की शुरुआत का प्रतीक है। यह त्यौहार आध्यात्मिक भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह का मिश्रण है, जिसे विभिन्न राज्यों में विभिन्न रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। यह फ़सल, समृद्धि और नई शुरुआत का जश्न मनाने का दिन है।

मकर संक्रांति भारत में व्यापक रूप से मनाया जाने वाला फ़सल उत्सव है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है। यह सर्दियों के संक्रांति के अंत और लंबे, गर्म दिनों की शुरुआत का प्रतीक है, जो आशा, समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक है। यह त्यौहार भारत के विभिन्न राज्यों में बहुत सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व रखता है। मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के उपलक्ष्य में मनाई जाती है, जो शुभ उत्तरायण काल की शुरुआत का प्रतीक है। यह फ़सल के लिए आभार और आने वाले वर्ष में समृद्धि की आशा का समय है। यह दिन गेहूँ, चावल और गन्ना जैसी फसलों की कटाई के मौसम का प्रतीक है। यह सूर्य के उत्तरी गोलार्ध की ओर बढ़ने को दर्शाता है, जो गर्मी और सकारात्मकता लाता है। प्रकृति को धन्यवाद देने और प्रचुरता के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है।

मकर संक्रांति विविधता में एकता का प्रतीक है, प्रत्येक राज्य अपने अनूठे तरीके से इस त्यौहार को मनाता है। यह समुदाय, नवीनीकरण और कल्याण की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। पवित्र स्नान, प्रार्थना और पारंपरिक मिठाइयाँ तैयार करने जैसी रस्में त्यौहार के सार को दर्शाती हैं। विभिन्न क्षेत्रों में पोंगल, माघ बिहू और लोहड़ी जैसे विभिन्न नामों से मनाया जाता है। प्रकृति, कृषि और मौसमी चक्रों के महत्त्व पर प्रकाश डालता है। पतंग उड़ाना, लोक नृत्य और दावतें जैसे अनुष्ठान समुदायों को एक साथ लाते हैं। मकर संक्रांति का उत्सव जीवंत रीति-रिवाजों और परंपराओं से चिह्नित है, जो विभिन्न राज्यों में अलग-अलग हैं, पतंग उड़ाना गुजरात और राजस्थान में विशेष रूप से लोकप्रिय, स्वतंत्रता और ख़ुशी का प्रतीक है। तीर्थयात्री गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियों में अनुष्ठानिक स्नान करते हैं। पारंपरिक भोजन तिल और गुड़ से बनी मिठाइयाँ बांटी जाती हैं। फ़सल की ख़ुशी मनाने के लिए राज्यों में मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस समय कपड़े, भोजन और धन दान करना शुभ माना जाता है। स्नान, सूर्य देव को नैवेद्य अर्पित करना, दान, श्राद्ध कर्म और व्रत खोलना जैसी गतिविधियाँ पुण्य काल के दौरान की जाती हैं। यदि मकर संक्रांति सूर्यास्त के बाद होती है, तो ये गतिविधियाँ अगले सूर्योदय तक स्थगित कर दी जाती हैं। श्रद्धालु अक्सर अपने पापों से शुद्ध होने के लिए गंगा, यमुना, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव गुजरात के सबसे जीवंत और विश्व स्तर पर प्रसिद्ध कार्यक्रमों में से एक है, जिसे हर साल जनवरी में मकर संक्रांति के दौरान मनाया जाता है। अहमदाबाद में आयोजित होने वाला यह उत्सव दुनिया भर से पतंग के शौकीनों और प्रतिभागियों को आकर्षित करता है। विभिन्न आकार और आकारों की अनूठी पतंगों के उड़ने से आसमान एक रंगीन कैनवास में बदल जाता है। यह कार्यक्रम खुशी, एकता और गुजरात की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो इसे स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए ज़रूर देखने लायक बनाता है। पतंग उड़ाने के साथ-साथ, इस उत्सव में सांस्कृतिक प्रदर्शन, स्थानीय व्यंजन और शिल्प प्रदर्शनियाँ भी शामिल हैं, जो गुजरात की समृद्ध परंपराओं की सच्ची झलक पेश करती हैं।

मकर संक्रांति पर ताज़ा कटे हुए अनाज खाने का समय होता है, जिसे सबसे पहले देवताओं को चढ़ाया जाता है और फिर खाया जाता है। आयुर्वेद में खिचड़ी खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह हल्का और आसानी से पचने वाला व्यंजन है। खिचड़ी खाने का मतलब है कि यह शरीर को मौसम में होने वाले बदलाव के लिए तैयार करता है, चाहे वह सर्दियों की ठंडी हवा हो या वसंत की आने वाली गर्मी। जैसे-जैसे तापमान शुष्क ठंड से आश्चर्यजनक रूप से गर्म होता जाता है, शरीर असंतुलन के प्रति संवेदनशील हो जाता है। इस प्रकार, खिचड़ी शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हुए भूख को संतुष्ट करने के लिए एक आदर्श व्यंजन है। स्वास्थ्य के लिए इसके लाभों के अलावा, इस त्यौहार पर खिचड़ी पकाना और खाना एकता का प्रतीक है, क्योंकि लोग एक ही बर्तन में ताज़े कटे हुए चावल, दालें, मौसमी सब्जियाँ और मसाले सहित सभी सामग्रियों को मिलाकर इस व्यंजन को पकाते हैं। यह जीवन और उत्थान की प्रक्रिया का प्रतीक है, जो नए फ़सल वर्ष की शुरुआत का संकेत देता है। आयुर्वेद इस दिव्य दिन पर तिल और गुड़ खाने का भी सुझाव देता है। संक्रांति और तिल समानार्थी हैं क्योंकि इस त्यौहार को आमतौर पर 'तिल संक्रांति' के रूप में भी जाना जाता है। तिल नकारात्मकता को अवशोषित कर सकते हैं और 'सत्व' -शुद्धता, अच्छाई और सद्भाव को बढ़ा सकते हैं, जो बदले में आध्यात्मिक अभ्यास को सुविधाजनक बनाता है।

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के लिए ओडिशा से 7 विशेष ट्रेनों के लिए प्रधानमंत्री-रेल मंत्री को धन्यवाद दिया

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: महाकुंभ आज से शुरु । अनुमान है कि इस लोकप्रिय समागम में 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु जुटेंगे। बेशक उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सारी तैयारियां कर ली गई हैं।ऐसे में महाकुंभ मेले में शामिल होने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए ईस्ट कोस्ट रेलवे की ओर से विशेष ट्रेन सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।यह स्पेशल ओडिशा से चलेगी। ये विशेष ट्रेनें ओडिशा के विभिन्न प्रमुख शहरों से पवित्र शहर प्रयागराज तक आसान पारगमन कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

ये ट्रेनें हैं

1. कटक, जखपुरा (जाजपुर), क्योंहारगढ़, नयागढ़ (जोड़ा अंचक)-बोकारो-गया-प्रयागराज के रास्ते भुवनेश्वर-टुंडला-भुवनेश्वर स्पेशल ट्रेन। यह ट्रेन 22 जनवरी 2025 और 5, 19, 26 फरवरी को भुवनेश्वर से चलेगी।

2. पुरी-टुंडला-पुरी विशेष ट्रेन वाया खुर्दा रोड-भुवनेश्वर-कटक-जाजपुर क्योंझर रोड-भद्रक-बालेश्वर-गया-प्रयागराज। यह ट्रेन 20 जनवरी और 17 फरवरी 2025 को पुरी से चलेगी।

3. बलांगीर-बारगढ़-संबलपुर-झारसुगुड़ा-राउरकेला (सुंदरगढ़ जिला)-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते टिटिलागढ़-टुंडला-टिटिलागढ़ स्पेशल ट्रेन।

यह ट्रेन टिटिलागढ़ से 16, 23 जनवरी और 6, 20, 27 फरवरी को चलेगी.

4. विशाखापत्तनम-पंडित दीन मेलिल उपाध्याय (डीडीयू)-विशाखापत्तनम स्पेशल ट्रेन वाया रायगढ़ा-टिटिलागढ़-रायपुर-कटनी। यह ट्रेन 16, 23 जनवरी और 6, 20, 27 फरवरी 2025 को ओडिशा से होकर गुजरेगी.

5. विशाखापत्तनम-गोरखपुर-विशाखापत्तनम स्पेशल ट्रेन वाया ब्रह्मपुर/गंजम जिला, खुर्दा रोड,-भुवनेश्वर-नराज मार्थापुर (कटक क्षेत्र-ढेंकनाल-अनुगुल-संबलपुर सिटी-झारसुगुड़ा। यह ट्रेन 2025 जनवरी 19 और 16 फरवरी को ओडिशा से होकर गुजरेगी।

6. रायगढ़ा, टिटिलागढ़, संबलपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला होते हुए तिरुपति-बनारस-तिरुपति विशेष ट्रेन।

7. रायगढ़ा, टिटिलागढ़, संबलपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला के रास्ते नरसपुर - बनारस - नरसपुर

दिल्ली में बसने के उद्देश्य से आए थे सात बांग्लादेशी, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बनाने की कर रहा था कोशिश

दिल्ली पुलिस ने हाल ही में 9 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी टूरिस्ट वीजा पर दिल्ली आए थे और इनका इरादा आधार कार्ड व अन्य भारतीय दस्तावेज बनवाकर यहीं बसने और व्यापार करने का था। पुलिस ने इनके एजेंटों का भी पता लगा लिया है और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। सभी को डिटेंशन सेंटर में रखा गया है।

नईदिल्ली। मध्य जिला पुलिस द्वारा हाल ही में पकड़े गए नौ बांग्लादेशी घुसपैठियों में सात टूरिस्ट वीजा पर दिल्ली आए थे। दिल्ली आने के बाद इनका इरादा आधार कार्ड व अन्य भारतीय दस्तावेज बनवा भारतीय बनकर बसने व व्यवसाय करने का था। ये सभी अलग-अलग तिथियों में टूरिस्ट वीजा पर दिल्ली आए थे। इनमें कोई एक माह तो कोई दो, तीन या चार माह पहले दिल्ली आया था।

बांग्लादेश व भारतीय एजेंटों के एक ही चेन के जरिये सातों के दिल्ली आने के कारण उनके निर्देश पर सभी नबी करीम के एक ही होटल में ठहरे हुए थे। इन सभी की वीजा अवधि दिसंबर में ही खत्म हो गई थी। उसके बाद ये लोग आधार कार्ड बनवाने की कोशिश में जुटे हुए थे, लेकिन दिसंबर में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर दिल्ली पुलिस द्वारा अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी घुसपैठियों की धर पकड़ के लिए अभियान शुरू कर देने के कारण इनके आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज नहीं बन पाए और ये पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

भारतीय दस्तावेज बनवाने की कोशिश में जुटे थे

पुलिस अधिकारी का कहना है कि होटल में इन्होंने वैध बांग्लादेशी दस्तावेज के जरिये कई कमरे किराए पर ले रखे थे। पांच से आठ सौ रुपये प्रतिदिन का किराया होने के कारण ये लोग लंबे समय से होटल में ठहरे हुए थे और भारतीय दस्तावेज बनवाने की कोशिश में जुटे हुए थे। आधार कार्ड बनने के बाद इनका इरादा होटल छोड़कर कहीं किराए पर घर लेकर व्यवसाय करने का था।

पुलिस ने इन्हें बांग्लादेश सीमा पार करवा दिल्ली भेजने व दिल्ली में इनके भारतीय दस्तावेज बनाने की कोशिश में जुटे एजेंटों का पता लगा लिया है। मध्य जिला पुलिस की दो टीमें दोनों एजेंटों को पकड़ने में जुटी हुई हैं। इस संबंध में कमला मार्केट थाने में केस दर्ज कर लिया गया है।

सभी को बांग्लादेशी नागरिकों के डिटेंशन सेंटर में रखा गया

डीसीपी एम. हर्षवर्धन के निर्देश पर पुलिस ने एक से पांच जनवरी तक अभियान चला नौ बांग्लादेशी घुसपैठियों को हिरासत में लिया था। उन्हें वापस बांग्लादेश भेजने के लिए पुलिस ने एफआरआरओ को सूची सौंप दी थी। सभी को फिलहाल सराय रोहिल्ला स्थित बांग्लादेशी नागरिकों के डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। जिन नौ बांग्लादेशियों को पकड़ा गया उनमें मोहम्मद ईमान हुसैन डंकी रूटों से बांग्लादेश से भारत में घुसा था और दिल्ली पहुंच कर जामा मस्जिद इलाके में रोजगार पाने की तलाश में भटक रहा था।

करो पर्यावरण संरक्षण...!

अब करो पर्यावरण संरक्षण,
प्रकृति न हो दूषित प्रदूषण।
हमें बचाना है मानव जीवन,
गंभीर बीमारियों से है अमन।
लौटों प्रकृति की ओर नमन,
न करें पेड़ों का संहार-हनन।

अब करो पर्यावरण संरक्षण,
प्रकृति न हो दूषित प्रदूषण।
बिगड़ रहा धरती का संतुलन,
कोयला, पानी हो रहे न्यूनतम।
प्रदूषित हो रहा है वायुमण्डल,
जहरीली हवा भर रही कमंडल।

अब करो पर्यावरण संरक्षण,
प्रकृति न हो दूषित प्रदूषण।
सौर व हरित ऊर्जा अपनाओ,
घर में इनसे ही बिजली पाओ।
ऐसे करो कम खपत के उपाय,
कह उठे प्रकृति हुई निराकाय।

अब करो पर्यावरण संरक्षण,
प्रकृति न हो दूषित प्रदूषण।
अनुदान देती योजना सरकार,
सोलर अपनाने की है दरकार।
बिजली उत्पादन कम हो भार,
ऊर्जापूर्ति में बनों अब मददगार।

संजय एम तराणेकर

विकास की इबादत लिखता जम्मू कश्मीर

हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

'कश्मीर में धारा 370 हटाये जाने के इतने साल बाद अब अगर जम्मू कश्मीर की अवाम से पूछे कैसा अनुभव हो रहा है तो वह मंद मंद मुस्कान से कहते हैं - धीरे-धीरे भारतीय लोकतंत्र के अनुरूप जम्मू कश्मीर में हर एक क्षेत्र में गतिशील विकास गंगा जमुनी तहजीब हिलोरें ले रही है । कल तक सिर्फ प्राकृतिक वह बहार की सुंदरता के लिए कश्मीर अच्छा दिखता था पर जब जनमानस की नजरों में कश्मीर की जनता का आत्ममंथन किया गया। धरातल पर सुविधाओं की मजबूत पहल हुई, अवागमन के साधन सुलभ हुऐ। एक दूसरे में आत्मविश्वास बड़ा और आतंक का खौफ मिटा तो जम्मू कश्मीर खुबसूरत हो गया । भारत का अपना अभिन्न अंग है कश्मीर । भारत की सुंदरता का खुबसूरत मुकूट कश्मीर है, धरती में जन्नत है तो वह कश्मीर में हैं। भागदौड़ आपाधापी भरें व तनावभरे जीवन से दूर सुकून के चंद पल अगर तलाश रहे हो तो कुछ समय आयो । वादियां हमे बुलाती है। क्योंकि वहां कूदरत की असली चित्रकारी है। हमने फिल्मों में इसकी खुबसूरती देखी है, कश्मीर की इस अदभुत सुंदरता को देख मन प्रफुल्लित हो जाता है । मन होता है कि वह जायें बार-बार जाये। जिस बुरे दौर में आंतक के काले नकाब के कारण घाटी की प्रचीनतम सभ्यता धूमिल हो रही थी । खुली हवा में सांस लेना भी परेशानी का सबक होता था जहां शाम को गोली बारुद की धामक से भविष्य अंधकारमय हो गया था। जनजीवन अस्त-व्यस्त चल रहा था डर खौफ का आतंकी साया विकासशील कश्मीर में बंधाक बना हुआ था । यह इस राज्य की सबसे बड़ी चुनौती थी , जब से केन्द्र में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी तभी से डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना उनके पटल पर घुमाने लगा था ।जम्मू कश्मीर की पीड़ा तकलीफ़ आतंक व दुश्मन देश पाकिस्तान का हस्तक्षेप के कारण कश्मीर का भविष्य दांव पर लगा हुआ था। वह के स्थानीय राजनेताओं ने अपने ही परिवारवाद का भाग्य संवारा जनमानस का नहीं । वह के हुक्मरानों ने अवाम की पैरवी नहीं की क्योंकि उनकी राजनीति की विरासत खत्म हो जाती ? सबसे पहले भारत सरकार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुमत के दम पर कानूनी लड़ाई के साथ लोकतंत्र व संविधान के अनुरूप धारा 370 के उस जहर को निकाला। जो गुलामी का प्रतीक था, जम्मू कश्मीर के विकास में अवरोध था। जैसे ही धारा 370 हटीं उसके बाद खुले आसमान में हर एक क्षेत्र में जम्मू कश्मीर लेह लद्दाख के हिस्से में खुशनुमा माहौल बन गया । आप जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र का साथ मिल रहा है प्रदेश सरकार भी केन्द्र के साथ मिलकर अब विकासशील कश्मीर की बात कहते हैं। यह बहुत बड़ी बात है ।भारत सरकार ने देश का मस्तक गर्व से ऊंचा कर दिया, फिर विकास की पटरी पर जम्मू कश्मीर का हर एक परिवार हर एक तबके के व्यक्ति को केन्द्र सरकार की सुविधाओं का शुद्ध रूप से लाभ मिलने लगा । अब तारें जमी पर आ गये है डल झील का वह शिकरा अब रोजगार की गारंटी बन गया है युवाओं व उन लाखों लोगों के लिए जीवन यापन का साधन बन चुका है ।कश्मीर पर्यटन के क्षेत्र में सिरमौर बन गया जो फिर से नये कश्मीर की कहानी लिख रहा हैं । पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या से रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं वहीं शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल कालेज भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहे हैं कश्मीर के लोग पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। यह तभी हो रहा है जब घाटी में अमन-चैन शांति का माहोल है और अब वह का नौजवान गलत दिशा में अपने कदम नहीं बढ़ता है। उनका भविष्य बम बंदुक व पत्थरों के हाथों में नहीं है यह सच्चाई तस्वीरें हैं भारतीय लोकतंत्र संस्कृति सभ्यता व संविधान की जिसके बल पर जम्मू कश्मीर मजबूती से खड़ा हुआ है। पहले संगीनों के साये में फौज का कड़ा पहरा रहता था अब वह के चहरों में मुस्कान है फिजा रंगीन हो रही है खुशनुमा माहौल से सकारात्मक प्रयासों से सब कुछ अच्छा है। राजनीति की पीढीयों में भी अब दुश्मनों व आतंकवादी संगठन का भय ना के बाराबर रहा है । अभिव्यक्ति की आजादी के साथ अधिकार भी पहले से ज्यादा बढ़ गये है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में बोलने पर प्रतिबंध या डर का माहौल नहीं है। अब इस आधुनिक युग में भारत के कश्मीर राज्य में युवा पीढ़ी कश्मीर को आगे बढ़ने हेतु पूरी ईमानदारी व कत्तर्व्यनिष्ठा से काम कर रही हैं। जम्मू कश्मीर के लोग अपने राज्य की कला संस्कृति साहित्य सभ्यता का प्रसार प्रचार करने के लिए अब भारत को अपना मानने वाले खुश मिजाज आवाम अपने पंखों को फैला कर विकासशील कश्मीर का नया इतिहास लिख रहा है। विकासित भारत में जम्मू कश्मीर का इतिहास व भविष्य दोनों बहुत प्रेरणादायक है संघर्षों की अविरल धारा झेलम चीनार के इतिहास में चलने हेतु शांति अहिंसा प्रेम व सौहार्द और अपनी गंगा जमुनी तहजीब के चलते हमेशा से भाईचारे को बढ़ावा देती आई है। यह तो वक्त की आंधियों ने पिछड़ा दिया पर वर्तमान में सब कुछ अच्छा हो रहा है है गुलशन में अब नफरत दिलों से मिट गई है दुरियां मजहब की खत्म हो गई है जब भारतीय दुश्मन नजर आते थे वह खाईं भारत सरकार की मध्यस्थता से समाप्त हो चुकी है अब दोस्ती-यारी की बात होती है दुश्मनी से किसका भला हुआ है लड़ाई झगडे से हिंसात्मक वातावरण निर्मित होता है जिससे मानवता का झरण होता है इंसानियत के सच्चे रास्ते पर चल कर ही सच्चाई की जीत होती है। देश के लिए आगे बढ़ने में जम्मू-कश्मीर का साथ मिलने के बाद पर्यटन विभाग के क्षेत्र में बहुत संभावना बढ़ गई है ।तभी तों अब बदलाव की इबादत लिखीं जा रही है देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वेड इन इंडिया (शादी भारत में करें) जिससे पर्यटन के क्षेत्र में लोगों को व्यवसाय व उद्योग धंधा मिलेगा। विदेशों में बड़े बड़े इवेंट करने की जगह भारत में ही यह सब करें । फिर देखिए भारत की उन्नति में चार चांद लग जायेंगे ।जम्मू कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद कश्मीर के लाल चौक में तिरंगा शान से लहराया रहा है यही रियल स्टोरी है हमारे देश के जम्मू कश्मीर की जो वक्त के साथ अब नया कश्मीर में सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपना नाम देश दुनिया में रोशन कर रहा है इसी के चलते और खुबसूरत हो गया है। नये भारत का नया कश्मीर के रास्ते भी इस धरती को स्वर्ग बना रहा चारों ओर विकास हो रहा है। वहीं सोनमर्ग टनल कश्मीर के लोगों के लिए विकास की इबादत है। विकसित भारत में पर्यटन क्षेत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का सपना अब साकार हो रहा है जम्मू कश्मीर में सिर्फ विकास विकास हो रहा है। इससे जम्मू कश्मीर के पर्यटन व युवाओं के रोजगार की नई मंजिल मिल रही है। दैनिक आजिविका के लिए इस तरह राह आवाम के साथ मिलकर चलने से ही खुली हैं। यहां जीवन सुलभ होता जा रहा है। सोनमर्ग टनल श्री नगर लेह मार्ग खुलते हुए रास्तों में यह 12 किलोमीटर लम्बी टनल कश्मीर में फिर भारत गौरव तिरंगा शान से लहराया रहा है। हिमस्खलन भूस्खलन की बाधाओं से बचाने के लिए यह बहुत उपयोगी है इससे यात्रा सुगम होगी। श्री नगर व सोनमर्ग की यह टनल आजिविका के साधन के रास्तों को खोला जाना यहां के स्थानीय लोगों के लिए खुशनुमा होगा। यात्रा में पर्यटकों की परेशानी दूर होगी। कठिन डगर में मोती तलाशते हुए भारत की शान को बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और बहुत आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से निमित्त यह कश्मीर के सोनमर्ग टनल लोगों को सुरक्षा भी करेगी । नया जम्मू कश्मीर ऐसी ही विकास की इबादत लिखता जा रहा है और अब समृद्ध व विकसित भारत की कहानी भी कहें रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023